हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 04, अंकः-19, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, शनिवार 27 जून 2026

बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी में विज्ञान भारती का...02

जो 'राम' के ना हुए, वो 'राष्ट्र' के क्या होंगे, चंदा चोर पार्टी...06

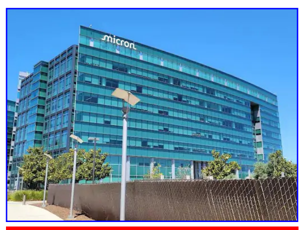

मार्केट-कैप में माइक्रोन ने मेटा-टेस्ला को पीछे छोड़ा

अमेरिका में बच्ची से रेप केस में स्नैपचैट पर मुकदमा

सऊदी अरब में भारतीय भी खरीद सकेंगे अपना घर

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : देवरिया में बोले योगी

रामभक्तों की अग्निपरीक्षा न लें, सबूत है तो एसआईटी को दें

देवरिया, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर कहा, एसआईटी की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई है। जन आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं है। दूध का दूध और पानी का पानी होगा। सीएम योगी ने यह बातें देवरिया में 456 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में कहीं। सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, एक पक्ष कहता था कि राम हैं ही नहीं यानी अयोध्या को भी ये लोग नकारना चाहते थे। लगातार न्यायालय में मुकदमा लड़ते रहे, वकीलों की फौज राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के खिलाफ खड़ी करते रहे और दूसरा पक्ष वो है जो जय श्री राम बोलने पर लाठी और गोली चलाते थे। भगवान राम का नाम लेने पर जो लोग गोली चलाते थे आज वे कहते हैं कि आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ। अरे तुम हमें आस्था बताओगे? राम नवमी पर दंगा करवाते थे, श्री कृष्ण जन्मोत्सव को प्रतिबंधित करते थे, कांवड़ यात्रा को नहीं निकलने देते थे, दुर्गा पूजा में दंगा करवाते थे... याद कीजिए कांग्रेस ने देश को लूटा ही नहीं था, नोंचा था। बेइमानी और भ्रष्टाचार के जो कीर्तिमान स्थापित किए थे और वे लोग आज अयोध्या पर आक्षेप लगा रहे हैं? ये स्वीकार्य नहीं।

सरकार की जो मंशा है, सरकार ने पहले दिन कहा कि दूध का दूध और पानी का पानी सभी के सामने आएगा। लेकिन मैं फिर से अपील करूंगा कि राम भक्तों की अग्नि परीक्षा मत लो, उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ करना बंद कीजिए। अगर तथ्य या प्रमाण नहीं है तो आरोप-प्रत्यारोप बंद करो और प्रमाण हैं तो एसआईटी के सामने पेश करो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, दिल्ली से भी एक सज्जन वहां(अयोध्या) आए हैं आज। मैं उनसे भी कहना चाहूंगा कि दिल्ली की जनता ने उन्हें कई वर्षों तक अवसर दिया लेकिन उन्होंने दिल्ली को भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं दिया। अगर यही न्याय जो अयोध्या के साथ डबल इंजन की भाजपा सरकार ने किया है, आम आदमी पार्टी दिल्ली के साथ करती तो दिल्ली भी ऐसे ही चमकती जैसे अयोध्या धाम चमक रहा है।

योगी ने जनता दर्शन में सुनीं लोगों की समस्याएं अधिकारियों को शीघ्र समाधान के दिए निर्देश

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की हर समस्या का शीघ्र समाधान कराएं। लोगों की शिकायतों को संवेदनशीलता से लेकर संतुष्टिप्रद निस्तारण सुनिश्चित कराने में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार सबकी समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए।

विदेश जाना हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट बनवाने की फीस बढ़ा दी है, जिससे विदेश जाना महंगा होने वाला है। नई दरें पहली जुलाई, 2026 से लागू होंगी। जुलाई से नया पासपोर्ट बनवाना हो या पुराना दोबारा बनवाना हो, अब पहले के मुकाबले महंगा पड़ेगा। बता दें कि अब तक 36 पेज वाला आम पासपोर्ट बनवाने या रिन्यू कराने पर 1500 रुपए लगते थे। नई दर में यही फीस 2500 रुपए हो गई है। 60 पेज वाले पासपोर्ट के लिए पहले 2000 रुपए देने पड़ते थे, अब 3500 रुपए देने होंगे। अगर पासपोर्ट खो जाए या खराब हो जाए और नया बनवाना पड़े तो खर्च और बढ़ गया है। 36 पेज वाले ऐसे पासपोर्ट की फीस 3000 रुपए से बढ़कर 5000 रुपए हो गई है। 60 पेज वाले के लिए यह 3500 रुपए से बढ़कर 6000 रुपए हो गई है।

कॉकरोच जनता पार्टी ने प्रधान गो बैक अभियान का किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने छात्रों, किसानों और नागरिक से 28 जून को जंतर-मंतर पर जुड़ने का आह्वान किया। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, दिपके ने कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी रविवार को जंतर-मंतर पर 'प्रधान गो बैक' (प्रधान वापस जाओ) अभियान में शामिल होंगी। अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगी। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि अभियान में क्या-क्या शामिल होगा। सीजेपी के संस्थापक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि प्रधान इस्तीफा दे दें।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा ने ट्रस्ट से दिया इस्तीफा

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में शुक्रवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के सूत्रों के अनुसार, राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। दोनों ने अपना इस्तीफा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को सौंप दिया है। ट्रस्ट के ट्रस्टी नृपेंद्र मिश्रा ने भी मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे की जानकारी मिली है। हालांकि, अन्य सूत्रों का कहना है कि चंपत राय ने केवल महासचिव पद से इस्तीफा दिया है, जबकि ट्रस्ट की सदस्यता बरकरार रखी है। इससे पहले गुरुवार देर रात पुलिस ने इस मामले में चंपत राय के करीबी सहयोगी रामाशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया था। सभी आरोपियों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

राम मंदिर ट्रस्ट भंग कर चंदा, चढ़ावा मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांच

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में चंदे और चढ़ावे में कथित अनियमितताओं के आरोपों की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच कराने, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा राम मंदिर ट्रस्ट को भंग कर उसमें राजनीतिक लोगों के स्थान पर साधु-संतों एवं धार्मिक व्यक्तियों को शामिल करने की मांग की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर देश के गांवों और गरीब लोगों से आस्था के आधार पर चंदा एकत्र किया गया

सीबीएसई का बड़ा फैसला

7वीं-9वीं तक के छात्रों पर अभी नहीं लागू होगी नई भाषा नीति, 10वीं तक पुराने नियम ही रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के छात्रों के लिए बड़ी राहत की खबर है। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, वर्तमान में कक्षा 7, 8 और 9 में पढ़ रहे वे छात्र जिन्होंने तीन-भाषा नीति के तहत दो विदेशी भाषाओं का चयन किया है, वे कक्षा 10 तक उसी भाषा संयोजन के साथ पढ़ाई जारी रख सकेंगे। उन्हें बीच में अपने विषय बदलने की आवश्यकता नहीं होगी। सूत्रों ने बताया कि तीन-भाषा नीति के तहत कम से कम दो भारतीय भाषाएं पढ़ने की अनिवार्यता केवल आगे आने वाले छात्रों पर लागू होगी।

यह व्यवस्था कक्षा 6 से भविष्य के बैचों के लिए लागू की जाएगी। पहले से कक्षा 7, 8 और 9 में पढ़ रहे छात्रों पर इसे पिछली तारीख से लागू नहीं किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह फैसला किसी तरह की नीति में बदलाव या पीछे हटना नहीं है। उनके अनुसार, यह प्रावधान पहले भी मौजूद था, लेकिन इसे स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया था। अब छात्रों और अभिभावकों के बीच भ्रम दूर करने के लिए स्थिति साफ की गई है। मंत्रालय के अनुसार, हर साल लगभग 24 लाख छात्र सीबीएसई की 10वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होते हैं। इनमें से करीब 30 हजार छात्र ही दो विदेशी भाषाओं का विकल्प चुनते हैं। यानी लगभग 98.5 प्रतिशत छात्र पहले से ही तीन-भाषा फॉर्मूले का पालन कर रहे हैं। यह राहत मुख्य रूप से महानगरों और शहरी क्षेत्रों के उन छात्रों के लिए दी गई है, जिन्होंने पहले से दो विदेशी भाषाएं चुनी थीं। गौरतलब है कि मई 2026 में सीबीएसई ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) के तहत एक सर्कुलर जारी किया था।

ईरान-अमरीका वार्ता की सबसे बड़ी उपलब्धि सैन्य संवाद तंत्र : जेडी वेंस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमरीका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि स्विट्जरलैंड में ईरान के साथ हुई वार्ता की सबसे बड़ी उपलब्धि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के बीच प्रत्यक्ष सैन्य संवाद तंत्र स्थापित करने पर सैद्धांतिक सहमति है। श्री वेंस ने कहा कि प्रस्तावित तंत्र के तहत कतर के दोहा में आईआरजीसी और सेंटकॉम के प्रतिनिधि भविष्य में सैन्य तनाव और विवादों को कम करने के लिए सीधे संपर्क में रहेंगे। उन्होंने कहा कि बर्गेनस्टॉक वार्ता में यह व्यवस्था होरमुज जलडमरूमध्य में नौवहन की सुरक्षा और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर जारी वार्ता जैसे विश्वास बहाली उपायों का पूरक होगी। श्री वेंस ने कहा कि स्विट्जरलैंड में हुआ समझौता अंतिम नहीं बल्कि व्यापक समझौते की दिशा में एक प्रारंभिक रूपरेखा है।

ऑपरेशन सिंदूर में बलिदान हुए थे छह सपूत

सरकार ने जारी किए नाम, इनमें वायुसेना का एक और थल सेना के पांच जवान

नई दिल्ली, एजेंसी। मई 2025 में आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करने के लिए भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सरकार ने बड़ा और अहम खुलासा किया है। केंद्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर उन छह भारतीय सैन्य कर्मियों के नाम सार्वजनिक किए हैं, जिन्होंने इस अभियान के दौरान देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की रोल ऑफ ऑनर सूची में इन वीर जवानों के नाम शामिल किए गए हैं। इसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई शहादतों की पहली औपचारिक सार्वजनिक स्वीकृति माना जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर मई 2025 में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाया गया एक सीमापार सैन्य अभियान था। इस अभियान का उद्देश्य पाकिस्तान और पाकिस्तान कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में मौजूद आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाना और उन्हें नष्ट करना था। इस मिशन के दौरान भारतीय सेना और वायुसेना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि, अभियान के दौरान कुछ सैन्य कर्मियों ने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अब सरकार ने उनके नाम सार्वजनिक कर उनके बलिदान को औपचारिक सम्मान दिया है। सरकार की ओर से जारी जानकारी के अनुसार बलिदान देने वाले सैन्य कर्मियों में सेना के पांच और भारतीय वायुसेना का एक जवान शामिल हैं। इनमें मुख्यालय 10 इन्फैंट्री ब्रिगेड के सूबेदार मेजर पवन कुमार, चार जम्मू एंड कश्मीर लाइट इन्फैंट्री के राइफलमैन सुनील कुमार, 237 फील्ड वर्कशॉप कंपनी के हवलदार सुनील कुमार सिंह और भारतीय वायुसेना की 39 विंग के सार्जेंट सुरेंद्र कुमार शामिल हैं।

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 235 हुयी : स्वास्थ्य मंत्री

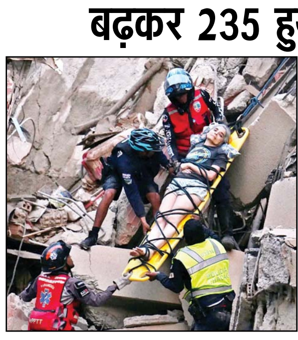

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में बुधवार को विनाशकारी भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 235 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री कार्लोस अल्वाराडो ने यह जानकारी दी। श्री अल्वाराडो ने सरकारी टीवी चैनल वीटीवी पर कहा, आज शाम 7:00 बजे तक, हमने 4,300 से ज़्यादा घायल लोगों की मदद की है। उनमें से ज़्यादातर को मामूली चोटें आईं, लेकिन कुछ मरीज़ों की हालत मध्यम से गंभीर है और कई लोगों को सर्जरी की ज़रूरत पड़ी। उन्होंने कहा कि लगभग 235 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जो पहले से ही मृत थे या मेडिकल सुविधाओं तक पहुँचने के तुरंत बाद उनकी मौत हो गई। मंत्री ने कहा कि सबसे गंभीर स्थिति ला गुएरा राज्य में है, जहाँ सबसे ज़्यादा मौतें और घायल होने के मामले दर्ज किए गए हैं। श्री अल्वाराडो ने कहा कि भूकंप के तुरंत बाद, पूरे देश में राज्य आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को सक्रिय कर दिया गया और सबसे बुरी तरह प्रभावित इलाकों में मदद के लिए 5,000 से ज़्यादा मेडिकल कर्मचारियों (जिनमें 1,200 से ज़्यादा डॉक्टर शामिल हैं) को तैनात किया गया। उन्होंने कहा कि न केवल सरकारी बल्कि निजी क्लीनिक भी इस प्रयास में शामिल हुए हैं। 150 से ज़्यादा मरीज़ों का इलाज निजी मेडिकल सुविधाओं में किया जा रहा है, और मामूली चोट वाले कई घायल लोगों को पहले ही छुट्टी दे दी गई है। बुधवार को वेनेज़ुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो ज़बरदस्त भूकंप आए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेजे गए आरोपी, 79 लाख बरामद, पांच से छह एसबीआई कर्मी भी शामिल

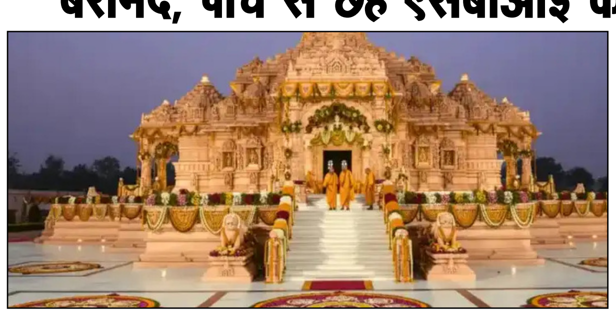

अयोध्या, संवाददाता। रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों को शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिला एवं सत्र न्यायालय फैजाबाद में पेश किया गया। सुनवाई के बाद सभी आरोपियों को 29 जून तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। आरोपियों को एसओजी प्रभारी अपनी टीम के साथ न्यायालय लेकर पहुंचे। इससे पहले सभी का पुलिस लाइन स्थित अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया। पेशी के दौरान न्यायालय परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। आरोपियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजीएम) , सिविल जज जूनियर डिवीजन निवेदिता सिंह के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी पूरे समय न्यायालय परिसर में मौजूद रहे। पेशी के दौरान न्यायालय परिसर में आम लोगों की आवाजाही पर भी निगरानी रखी गई। कोर्ट में सुनवाई के बाद आठों आरोपियों को ले जाया गया। उन्हें अयोध्या जिला जेल भेज दिया गया। सभी को 29 जून तक न्यायिक हिरासत में जेल भेजा दिया गया है। सीजेएम कोर्ट में अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया कि आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें सोमवार तक के लिए रिमांड पर भेजा गया है। सोमवार को फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा। इनके पास से कुल 79 लाख 85 हजार 493 रुपये बरामद किए गए हैं। सुभाष के पास से पैसे नहीं मिले हैं। वह साज़िश में शामिल था।

महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल, उद्धव की बैठक से 23 विधायक गायब, पवार भी नहीं पहुंचे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में एक और बड़े भूचाल के संकेत मिल रहे हैं। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। गठबंधन की एक अहम रणनीतिक बैठक से 60 में से 23 विधायकों ने दूरी बना ली। विधायकों के अलावा, इनमें शरद पवार जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। हाल ही में उद्धव ठाकरे गुट के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे गुट में शामिल होने के बाद अब विधायकों की इस गैरमौजूदगी ने गठबंधन के भविष्य पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। यह अहम बैठक मुख्य रूप से मॉनसून सत्र के लिए रणनीति तैयार करने के मकसद से बुलाई गई थी, लेकिन इसमें कई बड़े नेता नहीं पहुंचे। शरद पवार और उनके वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल इस बैठक में शामिल नहीं हुए। बताया गया कि वे निजी कारणों से उपलब्ध नहीं थे। कांग्रेस नेता नाना पटोले और विजय वडेट्टीवार भी बैठक से गायब रहे। पार्टी टूटने का दंश झेल रहे उद्धव ठाकरे ने बैठक में अपनी हताशा जाहिर की। उन्होंने गठबंधन के नेताओं से पूछा, क्या हम वाकई एक साथ हैं? बागी सांसदों का जिक्र करते हुए उद्धव ने अपील की कि हमें उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो हमारे साथ हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो चले गएज उन्हें जाने दें। उद्धव ठाकरे ने एकजुटता पर सवाल उठाते हुए कहा, हम कहते हैं कि हम एक साथ हैंज लेकिन क्या हम सदन में महा विकास अघाड़ी के रूप में एकजुट हैं?

पांवटा साहिब सीमा पर हालात सामान्य,प्रशासन और निहंगों के बीच सकारात्मक वार्ता, बढ़ाई गई सुरक्षा

देहरादून, एजेंसी। पंजाब से हिमाचल के रास्ते उत्तराखंड आने की कोशिश कर रहे निहंग सिख समुदाय को लेकर पांवटा साहिब सीमा पर शुक्रवार को हालात सामान्य रहे। प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं और पूरे इलाके में नजर रखी जा रही है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान और एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने शुक्रवार को पांवटा साहिब सीमा का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। सीमा पर पुलिस और सुरक्षा बल की पर्याप्त तैनाती की गई है। देहरादून आने-जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। वहीं, गुरुद्वारा पांवटा साहिब में प्रशासन और निहंग सिख समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच शांतिपूर्ण माहौल में बातचीत जारी है। वहीं, एसएसपी हरिद्वार नवनीत सिंह भुल्लर निहंग सिखों से वार्ता के लिए हिमाचल प्रदेश सिरमौर के पांवटा साहिब गुरुद्वारा पहुंचे थे। उधर, निहंग जत्थेदार अकाली जसदीप सिंह कहते हैं, ÷हमने किसी खास समय-सीमा की मांग नहीं की थी। हमने बस अपनी कुछ मांगें रखी थीं। उन्होंने हमारी मांगें मान ली हैं

कोलकाता-जयपुर में बारिश, सड़कें डूबीं, अस्पताल-दुकानों में पानी भरा

एमपी में इंदौर के 15 टूरिस्ट प्लेस बंद, यूपी-बिहार में हीटवेव

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान में मानसून के इंतजार के बीच गुरुवार को जयपुर में तेज बारिश हुई। करीब आधे घंटे में हुई 50 एमएम बारिश से सड़कें डूब गईं। कई वाहन पानी की वजह से बंद हो गए।

कई दुकानों-मकानों में भी पानी भर गया। कोलकाता में भी कुछ ऐसा ही हाल रहा। दोपहर में करीब एक घंटे की बारिश से शहर की मुख्य सड़कों पर एक फीट तक पानी भर गया। कोलकाता के एसाएसकेएम अस्पताल के अंदर तक पानी घुस गया। इससे मरीज और उनकी देखभाल करने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई। बारिश से हादसों की आशंका को देखते हुए मध्य प्रदेश के इंदौर में 15 पर्यटन स्थलों में 22 अगस्त तक एंट्री बंद कर दी गई है। राज्य के शाजापुर में गुरुवार को बिजली गिरने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 2 से 4 दिनों में मानसून पूरे राज्य को कवर कर सकता है। इधर, यूपी में मानसून 8 दिन लेट है। यह आमतौर पर 20 जून तक आ जाता है लेकिन इस बार 15 दिनों से बिहार बॉर्डर पर रुका है। राज्य के 8 जिलों में गुरुवार को हीटवेव के हालात रहे। बिहार के 13 जिलों में तेज धूप के साथ गर्म हवा चली। मानसून ने 24 जून को मध्य प्रदेश में एंट्री की थी, 15 जिले कवर किए थे। लेकिन मानसून इससे आगे नहीं बढ़ा है। हालांकि, आज 45 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 दिन में मानसून भोपाल-उज्जैन संभाग में दाखिल हो सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश में 28 जून को मानसून की एंट्री हो सकती है। गुरुवार को पूरे प्रदेश में बादल छाए रहे

बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी में विज्ञान भारती का सातवां महाअधिवेशन संपन्न

⇨ विज्ञान को भारतीय संस्कृति, परंपरा और पर्यावरण से जोड़कर नई तकनीक विकसित करने का आह्वान

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

वाराणसी। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने वाले प्रमुख संगठन विज्ञान भारती का दो दिवसीय सातवां महाअधिवेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। यह महाअधिवेशन बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता सभागार में आयोजित हुआ, जिसमें देश के 17 राज्यों से आए विज्ञान भारती के लगभग 1147 सदस्यों सहित वैज्ञानिकों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, मेडिकल क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, कॉलेज के छात्रों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के कटनी जिले की प्रसिद्ध समाजसेवी, अधिवक्ता एवं मुस्कान ड्रीम्स फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष मंजूषा गौतम को भी आमंत्रित किया गया। उन्होंने देशभर से आए प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि विज्ञान को भारतीय सभ्यता, संस्कृति, परंपराओं, रीति-रिवाजों और पर्यावरण के साथ जोड़कर नई तकनीकों का विकास करना समय की आवश्यकता है। मंजूषा गौतम ने कहा कि विज्ञान को बढ़ावा देने और वैज्ञानिक सोच का मनोबल बढ़ाने से ही देश में विज्ञान का निरंतर विकास संभव है। उनके विचारों को कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने सराहा। विज्ञान भारती की ओर से समाजसेवी मंजूषा गौतम को काशी की परंपरा के अनुसार अंगवस्त्र, तुलसी की माला एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि विज्ञान भारती का यह महाअधिवेशन प्रत्येक दो वर्ष में आयोजित किया जाता है, जिसमें देशभर से विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिक, सामाजिक कार्यकर्ता, संस्थाओं के प्रतिनिधि और विद्यार्थी शामिल होकर विज्ञान के विकास एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं।

35 स्वचालित परीक्षण स्टेशनों से 2.80 लाख व्यवसायिक वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र जारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि प्रदेश में संचालित 35 क्रियाशील स्वचालित परीक्षण स्टेशनों के माध्यम से 19 जून तक कुल 2,80,779 व्यवसायिक वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि स्वचालित परीक्षण स्टेशन (एटीएस) का मुख्य उद्देश्य वाहन फिटनेस जांच प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम करते हुए मशीनों एवं सेंसर आधारित परीक्षण प्रणाली के माध्यम से पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना है। इससे वाहन मालिकों को आधुनिक तकनीक की सहायता से तेज, सटीक एवं समयबद्ध फिटनेस प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। परिवहन राज्य मंत्री ने कहा कि एटीएस व्यवस्था सड़क सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। केवल तकनीकी रूप से फिट वाहनों को ही सड़क पर संचालन की अनुमति दिए जाने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रण में भी सहायता मिल रही है। उन्होंने बताया कि सभी वाहनों का परीक्षण केन्द्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 में निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप किया जाता है, जिससे प्रत्येक वाहन की जांच समान मानकों पर सुनिश्चित होती है। श्री सिंह ने कहा कि एटीएस प्रणाली में डिजिटल रिकॉर्डिंग, सीसीटीवी निगरानी एवं ऑटोमेटेड रिपोर्टिंग जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं के कारण लापरवाही, पक्षपात एवं भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर प्रभावी रोक लगी है तथा पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनी है। उन्होंने आगे बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा जारी राज्य नीति के अंतर्गत स्वीकृत 79 प्रारम्भिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र (पीआरसी) के सापेक्ष वर्तमान में प्रदेश के 27 जनपदों में 35 स्वचालित परीक्षण स्टेशन एएफएमएस पोर्टल पर लाइव किए जा चुके हैं। इन केन्द्रों के माध्यम से परिवहन वाहनों की फिटनेस जांच पूरी तरह मशीन आधारित प्रणाली से की जा रही है। लखनऊ अग्निकांड के बाद परिषदीय विद्यालयों में आग से बचाव और रोकथाम के उपाय करने की कोशिश शुरू हो गई है।

विश्व नशा मुक्ति दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

रामनगर/चंदौली। विश्व नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर आदर्श फाउंडेशन नशा मुक्ति केंद्र, ग्राम अनापुर, परोरवां (रामनगर, चंदौली) द्वारा %नशा मुक्त भारत अभियान : विकसित भारत की पहचान% विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। नशे की लत से मुक्ति केवल व्यक्तिगत प्रयास से ही नहीं, बल्कि परिवार और समाज के सहयोग से भी संभव है। उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर आदर्श फाउंडेशन के शिव शंकर पांडे (प्रबंधक), संजय चतुर्वेदी (पी.ओ.), बुद्धीराम, आशीष, मंगल एवं ऋषभ सहित आदर्श फाउंडेशन परिवार के सभी सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने %नशा मुक्त भारत - विकसित भारत% के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

12 जुलाई को वाराणसी में होगा बाबा श्री काल भैरव स्मृति काव्य संगम एवं सम्मान समारोह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। काशी हिन्दी विद्यापीठ के कुलसचिव एवं अखिल भारतीय लेखक कवि कलाकार परिषद के संस्थापक कवि इन्द्रजीत तिवारी %निर्भीक% के 57वें जन्मदिवस के अवसर पर 12 जुलाई 2026 (रविवार) को सायं 4 बजे से तेलियाबाग स्थित अर्थव फैमिली रेस्टोरेंट (एसी हॉल) में बाबा श्री काल भैरव स्मृति काव्य संगम एवं सम्मान समारोह का आयोजन होगा। कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए लगभग चार दर्जन रचनाकार काव्य पाठ करेंगे तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 108 विशिष्ट व्यक्तियों को मंचीय एवं ऑनलाइन सम्मानित किया जाएगा। आयोजन में अनेक साहित्यकार, शिक्षाविद एवं गणमान्य अतिथि शामिल होंगे।

अमरनाथ यात्रियों की सेवा के लिए चंदनबाड़ी में लगेगा काशी का 26वां विशाल भंडारा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। श्री बाबा काशी विश्वनाथ सेवा समिति की ओर से अमरनाथ यात्रा के दौरान चंदनबाड़ी आधार शिविर में 26वां विशाल सेवा भंडारा आयोजित किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष दिलीप सिंह बंटी ने बताया कि यह भंडारा जुलाई से रक्षाबंधन तक संचालित होगा, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के लिए भोजन, ठंडाई, बनारसी कचौड़ी-जलेबी, पान सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविर में लगभग 300 यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था भी रहेगी। उन्होंने बताया कि 28 जून को उनके एवं विवेक श्रीवास्तव के नेतृत्व में 70 सेवादारों का दूसरा जत्था बेगमपुरा एक्सप्रेस से जम्मू-कश्मीर रवाना होगा। इससे पूर्व सुबह 7:30 बजे लक्सा से वाराणसी कैंट स्टेशन तक करीब 300-400 बाइकों की भव्य रैली निकाली जाएगी। रैली में बाबा बर्फानी के स्वरूप, डमरू दल एवं शिवभक्त शामिल होंगे। समिति ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए भोजन के साथ कंबल, जूते, मोजे, मास्क, टोपी, स्वेटर एवं अन्य आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध रहेगी। संस्था ने अधिक से अधिक शिवभक्तों से रैली में शामिल होकर सेवादारों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

भीष्म पितामह एवं माता कुंती के आदर्शों का हुआ भावपूर्ण वर्णन

सतचंडी महायज्ञ में शामिल हुए विधायक सुशील सिंह, लिया महाराज जी का आशीर्वाद

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। नेपाली धाम में आयोजित श्री शतचंडी महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिवस कथा में अत्यंत मार्मिक प्रसंगों का वर्णन किया गया। कथा व्यास ने महाभारत के महान योद्धा, धर्मनिष्ठा एवं त्याग के प्रतीक भीष्म पितामह के जीवन, तपस्या और उनके आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कथा के दौरान माता कुंती के त्याग, धैर्य, भक्ति तथा भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा का भावपूर्ण वर्णन किया गया। वक्ता ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी माता कुंती ने धर्म और भक्ति का मार्ग नहीं छोड़ा तथा अपने जीवन से समाज को आदर्श संदेश प्रदान किया। भीष्म पितामह एवं माता कुंती के प्रेरणादायी प्रसंगों को सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के माध्यम से धर्म, कर्तव्य, त्याग और भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण का संदेश दिया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर सैयदराजा के विधायक सुशील सिंह भी नेपाली धाम पहुंचे और श्री शतचंडी महायज्ञ में सहभागिता की। उन्होंने पूज्य राजेंद्र नाथ जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर आयोजन की सराहना की तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की।

उपमुख्यमंत्री ने मां विन्ध्यवासिनी देवी का दर्शन पूजन कर प्रदेशवासियो के लिए मांगी खुशहाली

➲ मुजेहरा में एक निजी अस्पताल के कार्यक्रम में प्रबुद्धजनो से की वार्ता

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने आज जनपद भ्रमण के दौरान सिटी विकास खण्ड के ग्राम मुजेहरा चेकसारी में हेलीकाप्टर से उतरने के पश्चात सीधे विन्ध्याचल धाम पहुंचकर मां विन्ध्यवासिनी देवी का विधिवत मंत्रोच्चार के साथ दर्शन कर पूजा अर्चना की तथा प्रदेशवासियो स्वस्थ्य रहने व सुख समृद्धि की कामना की। विन्ध्याचल पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री का स्वागत शंखनाद व डमरू आदि बजाकर उनका तीर्थ पुरोहितो के द्वारा स्वागत व अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर प्रेस प्रतिनिधियो से वार्ता के दौरान उप मुख्यमंत्री मां विन्ध्यवासिनी देवी के धाम भव्य कारीडोर के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विन्ध्याचल धाम चहुमुखी विकास से श्रद्धालुओ की संख्या में बढ़ोतरी हुई है और इस कारीडोर के निर्माण से श्रद्धलुओ को बेहतर सुविधा भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि विन्ध्याचल विकास के लिए जो भी आवश्यकता होगी उसे प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाएगा। दर्शन पूजन प्रधान श्रंगारिया शिव जी महराज ने कराया। इस अवसर पर विधायक नगर रत्नाकर मिश्र भी उपस्थित रहें। इसके पूर्व हेलीपैड मुजेहरा में उतरने पर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, जिला अधक्ष भारतीय जनता पार्टी लाल बहादुर सरोज, विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, विधायक मझवां सुचिस्मिता मौर्या, ब्लाक प्रमुख पहाड़ी इन्द्रमणि पाण्डेय के अलावा जिला महामंत्री रवि शंकर पाण्डेय, जिला मंत्री वीरेन्द्र प्रताप यादव, भाजपा नेता नितिन विश्वकर्मा, पूनम चैरसिया, मण्डल अध्यक्ष उमेश कुमार तिवारी के अलावा अन्य पदाधिकारियो के द्वारा उप मुख्यमंत्री को हेलीपैड अंगवस्त्रम व पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत व अभिनन्दन किया।

विन्ध्याचल दर्शन पूजन के पश्चात उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने मुजेहरा/चेकसारी स्थित टमटम अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर प्रबुद्धजनो से वार्ता कर आशीर्वाद लिया तथा कहा कि प्रदेश सरकार प्रदेश के चतुर्मुखी विकास के लिए कटिबद्ध है, प्रत्येक अस्पतालो में स्वास्थ्य सुविधाए मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी पात्र को लाभ मुहैया कराया जा रहा है। वयो योजना के तहत 70 वर्ष आयु से अधिक के लोगो को प्राथमिकता के आधार पर आयुष्मान कार्ड मुहैया कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं, जीरो टालरेंस की नीति और सनातन संस्कृति को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार व माफिया राज को समाप्त करने की दिशा में कार्य कर रही है किसी भी दोषी को बक्शा नही जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 विनोद कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी गुलाब चन्द्र, संतोष ओझा, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ कीर्ति कुमार मिश्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

लोकबंधु अस्पताल परिसर स्थित वन स्टॉप सेंटर में लगी आग, अस्पताल स्टाफ के तत्परता से हादसा टला

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लोकबंधु अस्पताल परिसर में उस समय हड़कंप मच गया जब वन स्टॉप सेंटर में शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटना सामने आई। आग लगते ही सेंटर में अफरा-तफरी मच गई। घटना के समय शेल्टर होम में एक महिला, दो लड़कियां और चार कर्मचारी मौजूद थे। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अस्पताल स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास किया और समय रहते स्थिति पर नियंत्रण पा लिया। बताया जा रहा है कि बिजली विभाग को पहले ही ट्रिपिंग की शिकायत की गई थी, लेकिन आरोप है कि शिकायत के बावजूद अधिकारियों फोन नहीं उठाते। वहीं, दमकल विभाग के मौके पर पहुंचने में करीब एक घंटे की देरी होने की बात सामने आई है। हालांकि तब तक अस्पताल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी कुछ मौके पर पहुंच गई थी। लगातार हो रही आग की घटनाओं के बीच सुरक्षा इंतजामों और आपातकालीन व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं। अधिकारियों द्वारा घटना की जांच की जा रही है।

बेसिक शिक्षा विभाग सभी स्कूलों परिषदों में लगाएगा अग्निशमन यंत्र

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । बेसिक शिक्षा विभाग ने सभी जिलों को मध्याह्न भोजन योजना के सुरक्षित संचालन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत विद्यालयों की रसोई में अग्निशमन यंत्र उपलब्ध कराए जाएंगे और रसोइयों को उनके उपयोग का प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। विभाग की तरफ से जारी निर्देशों में कहा गया है कि विद्यालयों में भोजन बनाने के दौरान अग्नि दुर्घटनाओं की किसी भी आशंका को रोकने के लिए विशेष इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। प्रत्येक रसोईघर में कार्यशील अग्निशमन यंत्र होना अनिवार्य होगा। गैस सिलिंडर, रेगुलेटर और बर्नर स्टोव की नियमित जांच की जाए। खराब उपकरणों को तत्काल बदला जाए। खाद्य सामग्री की मानक के अनुरूप उपलब्धता रहे और उसकी समाप्ति तिथि की भी जांच की जाए। भोजन पकाने और परोसने का स्थान पूरी तरह साफ-सुथरा रखा जाए। खाद्यान्न और अन्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण और रसोईघर के भीतर व बाहर सफाई के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। अपर राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा प्रेम रंजन सिंह ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी विद्यालयों में अग्नि सुरक्षा के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कस्बा नेवरा में या हुसैन की सदाओं के बीच अकीदत से निकले ताज़िए नम आंखों से किए गए सुपुर्द ए खाक

➢ जुलूस-ए-हुसैनी में दिखी गंगा-जमुनी संस्कृति ➢ कर्बला के शहीदों को पेश की गई खिराज-ए-अकीदत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। जनपद अयोध्या सहित ब्लॉक मवई क्षेत्र में मोहर्रम की दासवीं तारीख पर विभिन्न गांवों में हज़रत इमाम हुसैन (अ0स) और कर्बला के 72 शहीदों की याद में ताज़ियों के जुलूस पूरे अकीदत,एहतराम और शांतिपूर्ण माहौल में कर्बला में सुपुर्द ए खाक हुए। इस मौके पर कस्बा नेवरा में जुलूस ए हुसैनी में अज़ादारों ने नौहाखूवानी,मर्सिया,व मातम देर तक चलता रहा। कस्बा नेवरा में बाद नमाज जुमा सभी चौकों से उठकर निकले ताज़िए एक साथ अपने पारंपरिक मार्गों से होते हुए परसी तालाब स्थित कर्बला पहुंचे,जहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार ताज़ियों को सुपुर्द-ए-ख़ाक किया गया। ÷या हुसैन÷ की सदाओं से पूरा क्षेत्र गूंज उठा और ताज़ियों की विदाई के समय माहौल बेहद ग़मगीन हो गया। अज़ादारों की आंखें नम थीं और हर ओर हजरत इमाम हुसैन (अ0स0) की कुर्बानी को याद कर लोगों ने खिराज ए अकीदत पेश किया। जुलूस ए हुसैनी में रास्तो पर लोगों द्वारा सबील और लंगर का आयोजन किया गया,जहां राहगीरों और जुलूस में शामिल लोगों को ठंडा पानी एवं शरबत वितरित कर इंसानियत,सेवा और भाईचारे का संदेश दिया। जुलूस-ए-हुसैनी में हिन्दू-मुस्लिम एकता और गंगा-जमुनी संस्कृति की अनूठी मिसाल भी देखने को मिली। विभिन्न समुदायों के लोगों ने जुलूस में शामिल होकर सामाजिक सौहार्द,आपसी प्रेम और भाईचारे का पैगाम दिया। पूरे आयोजन को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए थाना मवई पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सुरक्षा व्यवस्था के बीच जुलूस ए हुसैनी शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। मुहर्रम का यह आयोजन कर्बला की महान कुर्बानी,इंसानियत, न्याय,सब्र,त्याग और भाईचारे के संदेश को समाज तक पहुंचाने का प्रेरणादायी माध्यम बना। इस अवसर पर समाजसेवी दानिश हुसैन,लियाकत अंसारी,मुश्ताक अंसारी,उस्मान गनी अंसारी, अब्दुल कय्यूम अंसारी,मोहम्मद उमर,नाजिम अली शाह,अरमान शाह,आफाक इदरीशी,गुल मोहम्मद,मेराज अहमद सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

अकीदत के साथ निकला मोहर्रम का जुलूस, या हुसैन की सदाओं से गूंजा माहौल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बंथरा लखनऊ । राजधानी के बंथरा क्षेत्र में शुक्रवार को मोहर्रम का जुलूस पूरी अकीदत, श्रद्धा और शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया। जुलूस बंथरा गांव से शुरू होकर निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए हमीरपुर गांव पहुंचा। पूरे मार्ग पर ÷या हुसैन÷ की सदाएं गूंजती रहीं, जिससे क्षेत्र का वातावरण धार्मिक आस्था से सराबोर हो गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने हिस्सा लिया और हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश की। लोगों ने अनुशासन और भाईचारे का परिचय देते हुए शांतिपूर्ण ढंग से जुलूस को संपन्न कराया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों ने जगह-जगह लंगर एवं शरबत की व्यवस्था की। जुलूस में शामिल अकीदतमंदों के साथ-साथ राहगीरों को भी जलपान कराया गया। सेवा कार्यों ने आपसी प्रेम, सद्भाव और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत मिसाल पेश की। जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। पूरे मार्ग पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों ने लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। मोहर्रम का पर्व हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मनाया जाता है। यह केवल शोक का अवसर ही नहीं, बल्कि सत्य, न्याय, त्याग, इंसानियत और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष का संदेश भी देता है। बंथरा में निकला यह जुलूस धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और सांप्रदायिक एकता का प्रतीक बनकर लोगों के लिए प्रेरणा का संदेश छोड़ गया।

जमीनी विवाद में फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, अवैध पिस्टल बरामद

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ

काकोरी। दुबग्गा थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने एक अवैध .32 बोर की पिस्टल भी बरामद की है। दुबग्गा के ग्राम छंदोईया निवासी सैफ खान ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि जमीनी विवाद के चलते विपक्षीगणों ने अवैध हथियारों से लैस होकर उन पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। इस घटना में सैफ खान और उनके मित्र अकरम बाल-बाल बच गए, लेकिन फायरिंग की वजह से पीड़ित की मोटरसाइकिल, मकान की दीवार और गेट क्षतिग्रस्त हो गए। आरोपी जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी दे गए थे। पीड़ित की तहरीर पर दुबग्गा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं के तहत छह नामजद और बीस से पच्चीस अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। तफ्तीश के दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सुबह के वक्त पावर हाउस के पीछे, सेक्टर-आई रोड के किनारे से दो मुख्य अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दुबग्गा का रहने वाला मयंक यादव (उम्र लगभग 22 वर्ष) और बेगरिया का रहने वाला नबील (उम्र लगभग 18 वर्ष) शामिल हैं। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी मयंक यादव के कब्जे से एक अवैध .32 बोर पिस्टल बरामद हुई है, जिसके बाद मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा भी बढ़ाई गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इस घटना में शामिल अन्य नामजद और अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

वेनेजुएला संकट फर्स्ट रिस्पॉन्डर बन भारत ने दिया वसुधैव कुटुंबकम का संदेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत ने उत्तरी वेनेजुएला में आए भीषण भूकंप के बाद वहां राहत और चिकित्सा सहायता पहुंचाने के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। इस मानवीय मिशन के तहत, भारतीय वायुसेना के दो सी-17 विमानों ने 41 सदस्यीय मेडिकल टीम, फील्ड हॉस्पिटल यूनिट, दवाइयां, और दो भीष्ण क्यूब्स सहित लगभग 35 टन राहत सामग्री रवाना की है। वेनेजुएला में एक के बाद एक आए विनाशकारी भूकंप (तीव्रता 7.2 और 7.5) के बाद मची भारी तबाही के बीच भारत ने एक बार फिर वैश्विक 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' की भूमिका निभाई है। स्पेनिश भाषा में %अमिस्ताद% का अर्थ %दोस्ती% होता है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 26 जून को अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा ऑपरेशन अमिस्ताद शुरू हो गया है! आज भारतीय वायु सेना के दो सी-17 विमान वेनेजुएला के लिए रवाना हुए, जो भूकंप के बाद वहां चल रहे राहत कार्यों में मदद के लिए ज़रूरी सहायता सामग्री ले जा रहे हैं। इस सहायता में भारतीय सेना की एक फील्ड हॉस्पिटल यूनिट और 35 टन से ज़्यादा राहत सामग्री, दवाएं और मेडिकल उपकरण शामिल हैं, जिनमें दो %भीष्म क्यूब्स% भी हैं। भारत इस मुश्किल समय में वेनेजुएला की सरकार और वहां के लोगों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। इंडियन आर्मी की मेडिकल टुकड़ी शुक्रवार दोपहर हिंडन एयरफोर्स स्टेशन से वेनेजुएला के लिए रवाना हुई। भारतीय सेना के प्रसिद्ध %60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल% की 41 सदस्यीय विशिष्ट चिकित्सा टीम में 9 सैन्य चिकित्सा अधिकारी भी शामिल हैं। यह टीम आपदा क्षेत्र में घायलों का आपातकालीन इलाज, ट्रॉमा मैनेजमेंट और जटिल सर्जरी करने में सक्षम है। %ऑपरेशन अमिस्ताद% की सबसे बड़ी विशेषता भारत के %आरोग्य मैत्री प्रोजेक्ट% के तहत निर्मित दो अत्याधुनिक स्वदेशी %भीष्म क्यूब% का भेजा जाना है। यह एक मोबाइल, तेजी से तैनात होने वाला मॉड्यूलर फील्ड अस्पताल है, जो महज कुछ ही मिनटों में आपदा स्थल पर क्रियाशील हो जाता है। यह पोर्टेबल वेंटिलेटर, सर्जिकल टूल और ऑक्सीजन सपोर्ट से लैस है और एक समय में लगभग 200 मरीजों को गंभीर चिकित्सा सहायता दे सकता है। यह पहला मौका नहीं है, जब भारत वैश्विक आपदा में संकटमोचक बनकर उभरा है। %वसुधैव कुटुंबकम% (दुनिया एक परिवार है) की नीति पर चलते हुए भारत ने अतीत में भी कई सफल अंतरराष्ट्रीय बचाव अभियान चलाए हैं। इनमें मुख्य तौर पर 2023 में तुर्की और सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप के समय और म्यांमार में आए चक्रवात %मोचा% के बाद तथा मुसीबत में घिरे अन्य कई देशों को त्वरित सहायता पहुंचाना शामिल है। इसके पहले 2015 में नेपाल में आए भीषण भूकंप के चंद घंटों के भीतर भारतीय वायुसेना और सेना ने वहां पहुंचकर अब तक का सबसे बड़ा विदेशी नागरिक राहत अभियान चलाया था। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने दुनिया के 100 से अधिक जरूरतमंद देशों को स्वदेशी वैक्सीन मुफ्त या बेहद किफायती दरों पर उपलब्ध कराई थी। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वेनेजुएला में आए इस भूकंप में अब तक 235 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 4,300 से अधिक लोग घायल हैं। इस कठिन समय में लगभग 14,300 किलोमीटर की दूरी तय कर पहुंच रही भारत की यह मदद दोनों देशों के गहरे द्विपक्षीय संबंधों को दर्शाती है और वैश्विक मंच पर भारत को एक जिम्मेदार और संवेदनशील महाशक्ति के रूप में स्थापित करती है।

मोबाइल चोरी से साइबर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पांच शातिर गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ पुलिस ने मोबाइल चोरी के जरिए साइबर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश करते हुए पांच शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी भीड़भाड़ वाले बाजारों और सार्वजनिक स्थानों से मोबाइल फोन चोरी या झपटमारी करते थे और उन्हीं मोबाइल में मौजूद सिम कार्ड के माध्यम से पीड़ितों के बैंक खातों, यूपीआई वॉलेट और इंटरनेट बैंकिंग का दुरुपयोग कर लाखों रुपये की साइबर ठगी को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के मोबाइल, बैंक कार्ड, नकदी, वाहन सहित अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त उत्तरी, अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी तथा सहायक पुलिस आयुक्त बीकेटी के पर्यवेक्षण में थाना महिगवां पुलिस और साइबर क्राइम सेल हजरतगंज की संयुक्त टीम ने थाना महिगवां पर दर्ज मुकदमा संख्या 36/2026 का सफल अनावरण किया। कार्रवाई के दौरान पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे संगठित गिरोह बनाकर भीड़भाड़ वाले इलाकों, बाजारों, बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लोगों के मोबाइल फोन चोरी या झपटमारी करते थे। इसके बाद चोरी किए गए मोबाइल में लगे सिम कार्ड का उपयोग कर संबंधित बैंक खातों के यूपीआई वॉलेट, यूपीआई लाइट और इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं को सक्रिय कर खातों से धनराशि विभिन्न खातों में स्थानांतरित करते थे। बाद में एटीएम अथवा अन्य माध्यमों से नकद निकालकर आपस में बांट लेते थे। पुलिस से बचने के लिए वारदात के बाद मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी नष्ट कर देते थे, जिससे कोई तकनीकी साक्ष्य न मिल सके। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने थाना महिगवां क्षेत्र में करीब 3.91 लाख रुपये तथा थाना बीकेटी क्षेत्र में करीब 4.28 लाख रुपये की साइबर ठगी करना स्वीकार किया। इस प्रकार गिरोह द्वारा लगभग 8.19 लाख रुपये की साइबर ठगी किए जाने का खुलासा हुआ है।

पुलिस अब इनके अन्य मामलों और संभावित पीड़ितों की भी जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राम स्वरूप, अमित कुमार, सुभाष उर्फ सतीश उर्फ छोटू, पुत्तीलाल और रामू रावत के रूप में हुई है। सभी आरोपी सीतापुर जनपद के अलग-अलग गांवों के निवासी हैं।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में गिरोह के कुछ सदस्यों के खिलाफ पूर्व से भी साइबर अपराधों के मुकदमे दर्ज होने की पूर्वोत्तर रेलवे की बड़ी कार्रवाई: दो ट्रेनों से 930 बोतल अधोमानक पानी जब्त, अनधिकृत वेंडर भी पकड़ा गया

पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने यात्रियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दो ट्रेनों से कुल 930 बोतल अधोमानक पेयजल जब्त किया है।

मई व जून में गर्मी से बचाव हेतु समाजसेवी ने जनजागरुकता अभियान के तहत भेंट किए 500 अंगवस्त्र

शुकुलबाजार अमेठी, संवाददाता। सामाजिक कार्यों मे अग्रणी संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि.के प्रबंधक समाजसेवी पीके तिवारी ने भीषण गर्मी के दृष्टिगत मई एवं जून के महीने में गर्मी से बचाव हेतु जनजागरुकता अभियान चलाया और लोगों को गर्मी से बचाव हेतु विचार साझा कर जागृत किया इस दौरान समाजसेवी पीके तिवारी ने विशेष रुप से श्रमिकों एवं कृषकों के बीच पहुंचकर यथासंभव उनके जलपान की भी व्यवस्था की एवं लोगों के सहयोग से 500 अंगवस्त्र भेंटकर गर्मी से बचाव हेतु विचार साझा कर उन्हे जागृत किया।

जहाँ पात्रों ने समाजसेवी पी के तिवारी को दुआएं दी वहीं समाज के प्रत्येक वर्ग ने संस्था प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी की निस्वार्थ भावना एवं कुशल नेतृत्व मे संस्था द्वारा कराए जा रहे पुनीत कार्यों की सराहना करते हुए उनके अभियान मे यथासंभव सहयोग भी किया वहीं समाजसेवी पी के तिवारी का कहना है कि संस्था द्वारा कराए जा रहे प्रत्येक कार्यों मे समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिलता रहता है जिससे संस्था को बल मिलता है।

रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती की जाए : संघर्ष समिति

लखनऊ, संवाददाता। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने कहा है कि प्रदेश में लगातार बढ़ रही बिजली की मांग के अनुपात में बिजली कर्मचारियों की भारी कमी के कारण बिजली व्यवस्था पर गंभीर दबाव बढ़ता जा रहा है। भीषण गर्मी में लगातार नए मांग रिकॉर्ड बन रहे हैं, लेकिन वर्षों से नियमित भर्ती न होने, बड़ी संख्या में पद रिक्त रहने तथा संविदा कर्मियों की छंटनी के कारण फॉल्टों के निस्तारण,लाइन अनुरक्षण और उपभोक्ताओं को समय पर बिजली आपूर्ति बनाए रखना दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। संघर्ष समिति ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि प्रदेश की निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली व्यवस्था बनाए रखने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता पर हटाए गए सभी संविदा कर्मियों को तत्काल सेवा में वापस लिया जाए, मार्च 2023 से अब तक आंदोलन के नाम पर की गई सभी उत्पीड़नात्मक एवं दंडात्मक कार्यवाहियां समाप्त की जाएं, तथा बिजली की बढ़ी हुई मांग और उपभोक्ताओं की संख्या के अनुरूप रिक्त पदों पर तत्काल नियमित भर्ती की जाए। संघर्ष समिति ने कहा कि आज प्रदेश में लगभग 3 करोड़ 73 लाख उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति दी जा रही है, जबकि वर्ष 2000 में लगभग 60 लाख उपभोक्ता थे।

उस समय बिजली कर्मचारियों की संख्या लगभग 1 लाख 20 हजार थी, जबकि आज उपभोक्ताओं की संख्या छह गुना से अधिक हो जाने के बावजूद बिजली कर्मचारियों की संख्या घटकर 30 हजार से भी कम रह गई है। इसी प्रकार वर्ष 2000 में प्रदेश की अधिकतम बिजली मांग लगभग 6500-7000 मेगावाट होती थी, जबकि आज यह बढ़कर लगभग 33 हजार मेगावाट तक पहुंच गई है। हाल ही में प्रदेश में 32,673 मेगावाट की रिकॉर्ड मांग पूरी करते हुए एक ही दिन में 678.4 मिलियन यूनिट बिजली की आपूर्ति की गई, जो देश में सर्वाधिक रही। इतनी बड़ी व्यवस्था को सीमित कर्मचारियों के भरोसे संचालित करना अत्यंत कठिन हो गया है। संघर्ष समिति ने कहा कि कर्मचारियों की कमी के कारण एक-एक कर्मचारी को कई कर्मचारियों का कार्य करना पड़ रहा है।

मोबाइल चोरी कर साइबर ठगी करने वाले एक अंतरजनपदीय गिरोह के सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। महिंगवां पुलिस और साइबर क्राइम सेल की संयुक्त टीम ने मोबाइल चोरी कर साइबर ठगी करने वाले एक अंतरजनपदीय गिरोह का पदार्फाश किया है। इस कार्रवाई में शुक्रवार को 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ये पांचों सीतापुर के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी भीड़भाड़ वाले बाजारों और सार्वजनिक स्थानों से मोबाइल चोरी या झपटमारी करते थे। इसके बाद वे चोरी हुए मोबाइल में लगे सिम का उपयोग कर बैंक खातों से जुड़े यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग को सक्रिय करते थे।

फिर खातों से रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कर नकदी निकाल लेते थे और आपस में बांट लेते थे। पुलिस ने उनके पास से 11 एंड्रॉयड मोबाइल, 3 की-पैड मोबाइल (कुल 14 मोबाइल), 8,358 रुपए नकद, विभिन्न बैंक डेबिट कार्ड, आधार व पैन कार्ड, दो सिम कार्ड, एक स्विफ्ट डिजायर कार और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपियों ने लखनऊ के ही महिंगवां क्षेत्र में लगभग 3.91 लाख रुपए और बीकेटी क्षेत्र में करीब 4.28 लाख रुपए की साइबर ठगी की वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके आपराधिक नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ आरोपियों के खिलाफ पहले भी साइबर अपराध के मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों में सीतापुर के परेवांजाल अटरिया के राम स्वरूप (31), सुभाष उर्फ सतीश उर्फ छोटू (23) व रामू रावत (31), गोसाईंपुरवा अटरिया के पुतीलाल (36) और चंदैरा कमलापुर के अमित कुमार (25) शामिल हैं।

फन रिपब्लिक मॉल में छाया फुटबॉल का रोमांच, 'फन फुटबॉल फेस्ट' में उमड़ रहे खिलाड़ी और खेल प्रेमी

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में फुटबॉल का उत्साह इन दिनों फन रिपब्लिक मॉल में देखने को मिल रहा है। यहां आयोजित 'फन फुटबॉल फेस्ट' में एक ओर जहां युवा खिलाड़ी मैदान पर अपना कौशल दिखा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर फुटबॉल प्रेमी फीफा विश्व कप की झलकियों, विजेता देशों के ध्वज और ट्रॉफी के साथ इस खेल के रोमांच का आनंद उठा रहे हैं।

मॉल में फीफा मुकाबलों की विशेष स्क्रीनिंग भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।21 जून से शुरू होकर 25 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस फुटबॉल महोत्सव का उद्घाटन उत्तर प्रदेश का अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व कर चुके वरिष्ठ फुटबॉलर प्रमोद कुमार मिश्रा ने किया था। आयोजन के बाद से फुटबॉल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और अब तक करीब एक हजार प्रतिभागी पंजीकरण करा चुके हैं। शुक्रवार से लीग मुकाबलों की शुरूआत भी हो गई है। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में लखनऊ की 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। मुकाबले प्रत्येक शुक्रवार, शनिवार और रविवार को आयोजित किए जा रहे हैं। शुक्रवार को अंडर-10, अंडर-12, अंडर-13 और अंडर-14 आयु वर्ग के खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए।

प्रतियोगिता आगे बढ़ने के साथ टीमें खिताब जीतने की दौड़ में अपनी जगह मजबूत करने का प्रयास करेंगी। सप्ताह के अन्य दिनों में आम नागरिक और फुटबॉल प्रेमी भी पंजीकरण कराकर विभिन्न फुटबॉल गतिविधियों, स्किल चैलेंज और पेनल्टी शूटआउट जैसी प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते हैं। आयोजन स्थल पर अनुभवी कोच भी मौजूद हैं, जो प्रतिभागियों को फुटबॉल की तकनीक, खेल कौशल और बारीकियों की जानकारी दे रहे हैं।फुटबॉल महोत्सव में फीफा विश्व कप के इतिहास को भी आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। विभिन्न वर्षों के विश्व विजेता देशों के ध्वज, ट्रॉफी की प्रतिकृति और फीफा से जुड़ी विशेष सजावट दर्शकों को विश्व कप जैसा अनुभव करा रही है। यही वजह है कि खेल प्रेमियों के साथ-साथ परिवार भी बड़ी संख्या में आयोजन स्थल पर पहुंच रहे हैं।आयोजन का एक और प्रमुख आकर्षण फन रिपब्लिक मॉल में हाल ही में शुरू हुए अंतरराष्ट्रीय खेल ब्रांडों के स्टोर हैं। यहां एडिडास, नाइकी, अंडर आर्मर, एसिक्स, न्यू बैलेंस, लाइफस्टाइल और प्यूमा जैसे प्रमुख स्पोर्ट्स ब्रांड उपलब्ध हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे की बड़ी कार्रवाई: दो ट्रेनों से 930 बोतल अधोमानक पानी जब्त

लखनऊ, संवाददाता। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने यात्रियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दो ट्रेनों से कुल 930 बोतल अधोमानक पेयजल जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान एक अनधिकृत वेंडर को भी पकड़ा गया, जिसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के हवाले कर दिया गया।मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अरिजीत सिंह के निर्देशन में सहायक वाणिज्य प्रबंधक ओंकार नाथ वर्मा ने शुक्रवार को विभिन्न ट्रेनों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ट्रेन संख्या 20103 की पैंट्री कार में बड़ी मात्रा में अधोमानक पेयजल मिलने पर कार्रवाई की गई रेलवे अधिकारियों के अनुसार ट्रेन संख्या 20103 से 680 बोतल अधोमानक पानी जब्त किया गया। वहीं ट्रेन संख्या 13020 के निरीक्षण में 250 बोतल अधोमानक पानी बरामद हुआ। इस प्रकार दोनों ट्रेनों से कुल 930 बोतल अधोमानक पानी जब्त कर एलपीओ गोंडा में जमा करा दिया गया।निरीक्षण के दौरान ट्रेन संख्या 20103 में एक अनधिकृत वेंडर भी यात्रियों को सामान बेचते हुए पकड़ा गया। उसे तत्काल ऑन-बोर्ड रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के सुपुर्द कर दिया गया, जहां उसके विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है। रेलवे प्रशासन ने कहा कि यात्रियों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खानपान तथा पेयजल उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार के अधोमानक खाद्य पदार्थ या पेयजल की बिक्री तथा अनधिकृत वेंडरों की गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

न्यूज

हुसड़िया पेट्रोल पंप पर कम पेट्रोल डालने पर मारपीट

लखनऊ, संवाददाता। गोमतीनगर क्षेत्र स्थित हुसड़िया चौराहे के पास एक पेट्रोल पंप पर पेट्रोल कम डालने के आरोप को लेकर विवाद हिंसक हो गया। आरोप है कि शिकायत करने पर पेट्रोल पंप के मैनेजर ने महिला ग्राहक से अभद्रता और गाली-गलौज की। विरोध बढ़ने पर कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर रहे लोगों पर हमला बोल दिया। गोमतीनगर विस्तार निवासी आकांक्षा दीक्षित की ओर से दी गई तहरीर के मुताबिक, वह स्कूटी में पेट्रोल भरवाने पहुंची थीं। उन्होंने कम पेट्रोल डाले जाने की शिकायत की तो मैनेजर ने अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद कई कर्मचारियों ने कथित तौर पर पत्थरों, लात-घूंसों से हमला कर दिया। इस घटना में रमन सोनी, दिव्यांशु पांडेय, अधिवक्ता योगेंद्र प्रताप सिंह, अभिजीत मानस समेत कई लोग घायल हो गए। रमन सोनी का मुंह फटने और दांत टूटने का भी आरोप है। महिला के अनुसार, भीड़ बढ़ने पर कुछ कर्मचारी मौके से फरार हो गए, जबकि एक कर्मचारी को पकड़ लिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे थाने ले गई। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने गोमतीनगर थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रंगदारी न देने पर छात्र की एसयूवी में तोड़फोड़

लखनऊ, संवाददाता। चिनहट क्षेत्र में छात्र की फॉर्च्यूनर कार में तोड़फोड़ की गई। पीड़ित निखिल यादव ने मानस मिश्रा, आदित्य सिंह उर्फ अपराधी, युवराज सिंह, शौर्य शाही समेत अन्य लोगों पर कार के सभी शीशे ईंट-रॉड से तोड़ने और पहले से जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निखिल यादव के मुताबिक, 22 जून की शाम वह बाबूलाल हॉस्टल के पास दोस्त से मिलने गए थे। कार बाहर खड़ी कर वह कमरे पर चले गए। करीब डेढ़ घंटे बाद लौटे तो फॉर्च्यूनर के आगे, पीछे और साइड के सभी शीशे टूटे मिले। उनका आरोप है कि घटना के समय यदि वह कार में होते तो उन पर जानलेवा हमला हो सकता था। तहरीर में कहा गया है कि घटना से एक दिन पहले आरोपियों ने व्हाट्सएप कॉल और सोशल मीडिया के जरिए धमकी दी थी। निखिल ने आरोप लगाया है कि आरोपी गैंग बनाकर एमिटी यूनिवर्सिटी के छात्रों से रंगदारी वसूलते हैं और विरोध करने वालों को निशाना बनाते हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

अकीदत और अमन के साथ बंथरा में मोहर्रम

लखनऊ, संवाददाता। शुक्रवार को मोहर्रम का जुलूस अकीदत और शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया। यह जुलूस बंथरा गांव से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए हमीरपुर गांव तक पहुंचा। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। पूरे रास्ते ₹या हुसैन₹ की सदाओं से माहौल गूंजता रहा, जो इमाम हुसैन की शहादत को याद करने का प्रतीक था। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने जगह-जगह लंगर और शरबत की व्यवस्था की। राहगीरों और जुलूस में शामिल लोगों को जलपान कराया गया, जिससे आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। जुलूस मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था और अधिकारियों ने लगातार निगरानी रखी, जिससे पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मोहर्रम हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मनाया जाता है। यह पर्व सत्य, न्याय, त्याग और इंसानियत के लिए संघर्ष का संदेश देता है। बंथरा में निकला यह जुलूस गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक सौहार्द की मिसाल बना।

लोकबंधु अस्पताल परिसर स्थित वन स्टॉप सेंटर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, बड़ा हादसा टला

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के कृष्णानगर थाना क्षेत्र स्थित लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय परिसर में बने वन स्टॉप सेंटर में शुक्रवार सुबह आग लगने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे वन स्टॉप सेंटर में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही कृष्णानगर थाना पुलिस तथा अग्निशमन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और संयुक्त प्रयास से आग को फैलने से रोकते हुए शीघ्र ही बुझा दिया।प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। आग से वन स्टॉप सेंटर में लकड़ी से निर्मित इंटीरियर का एक कॉलम तथा उसके ऊपर की सीलिंग आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुई है। इसके अलावा किसी अन्य बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ और न ही किसी प्रकार की जनहानि हुई है।

मोहनलालगंज में ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत, पुलिस सभी पहलुओं से कर रही जांच

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 25 जून की शाम करीब सात बजे मोहनलालगंज रेलवे स्टेशन से रेलकर्मी ने सूचना दी कि ट्रेन संख्या 14216 डाउन के गुजरने के दौरान थाना मोहनलालगंज क्षेत्र के ग्राम बिदौवा के पास एक महिला रेलवे ट्रैक पर आ गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।सूचना मिलते ही मोहनलालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और 108 एम्बुलेंस की सहायता से घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोहनलालगंज पहुंचाया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे ने यात्रियों को दी बड़ी सौगात

संवाददाता

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने मैलानी-नानपारा मीटर गेज रेलखंड पर यात्रा करने वाले हजारों दैनिक यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत देते हुए पैसेंजर ट्रेनों की समय-सारिणी में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक प्रसन्न कात्यायन के निर्देशन में किया गया यह संशोधन 28 जून 2026 से प्रभावी होगा।

रेलवे का कहना है कि इस बदलाव से ट्रेनों का संचालन अधिक संतुलित होगा, विभिन्न ट्रेनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा और यात्रियों को अधिक सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार लंबे समय से नियमित यात्रियों और स्थानीय लोगों की ओर से मैलानी-नानपारा खंड पर संचालित पैसेंजर ट्रेनों के समय में बदलाव की मांग की जा रही थी। विशेष रूप से विभिन्न ट्रेनों से मैलानी पहुंचने वाले यात्रियों को आगे की ट्रेन पकड़ने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए नई समय-सारिणी तैयार की गई है।संशोधित समय के अनुसार ट्रेन संख्या 52262 मैलानी-नानपारा पैसेंजर अब सुबह 8:50 बजे के स्थान पर 10:50 बजे मैलानी से रवाना होगी। वहीं ट्रेन संख्या 52264 मैलानी-नानपारा पैसेंजर का प्रस्थान समय 7:35 बजे से बदलकर 7:05 बजे कर दिया गया है। रेलवे का कहना है कि पहले दोनों पैसेंजर ट्रेनों के प्रस्थान के बीच केवल एक घंटा 15 मिनट का अंतर था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यह अंतर बढ़कर तीन घंटे 45 मिनट हो जाएगा। इससे एक ही दिशा में चलने वाली ट्रेनों का संचालन अधिक व्यवस्थित होगा और यात्रियों को अपनी सुविधा के अनुसार यात्रा का बेहतर विकल्प मिलेगा।

नई समय-सारिणी का सबसे अधिक लाभ पीलीभीत से ट्रेन संख्या 55357 द्वारा सुबह 9:40 बजे मैलानी पहुंचने वाले यात्रियों को मिलेगा। पहले इन यात्रियों को आगे की ट्रेन पकड़ने में परेशानी होती थी, लेकिन अब उन्हें 10:50 बजे रवाना होने वाली मैलानी-नानपारा पैसेंजर ट्रेन के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।इसी प्रकार गोरखपुर, लखनऊ और सीतापुर से आने वाली ट्रेन संख्या 15009 सुबह 10:00 बजे मैलानी पहुंचती है। नई समय-सारिणी लागू होने के बाद इस ट्रेन से आने वाले यात्री भी आसानी से ट्रेन संख्या 52262 के माध्यम से नानपारा और बीच के स्टेशनों तक अपनी यात्रा जारी रख सकेंगे। इससे रेल संपर्क और अधिक सुगम होगा। रेलवे प्रशासन का मानना है कि समय-सारिणी में यह बदलाव केवल ट्रेनों के समय बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे पूरे मैलानी-नानपारा मीटर गेज खंड पर यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी, कम प्रतीक्षा समय और अधिक सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा।

विवाहिता की संदिग्ध मौत, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव, रिपोर्ट के आधार पर होगी आगे की कार्रवाई : थानाध्यक्ष

संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। थाना क्षेत्र में 23 वर्षीय विवाहिता वंदना पत्नी संतोष की लंबी बीमारी के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की है।

मृतका के भाई देशराज निवासी मठिया जोरावरपुर ने बहन की मौत को संदिग्ध बताते हुए ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी।वहीं मुसाफिरखाना के नायब तहसीलदार की मौजूदगी में पंचनामा भरने की कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया,ताकि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल सके।

घटना के दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी भी हुई, लेकिन पुलिस ने मौके पर स्थिति को नियंत्रित करते हुए माहौल शांत कराया।थानाध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूनतम फायर और जीवन-सुरक्षा लागू करने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। अलीगंज में स्थित एक कोचिंग संस्थान में आग लगने से 15 बच्चों की मौत के बाद एक बार फिर से सार्वजनिक स्थानों पर फायर सेफ्टी से जुड़े नियमों को लेकर सवाल उठने लगा है। इसी बीच देश में स्कूल, अस्पताल, कोचिंग सेंटर, होटल और दूसरी सार्वजनिक इमारतों में बार-बार लगने वाली आग की घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें मांग की गई है कि पूरे देश में ज्यादा जोखिम वाली सार्वजनिक जगहों के लिए एक जैसा 'राष्ट्रीय न्यूनतम फायर और जीवन-सुरक्षा फ्रेमवर्क' बनाया जाए और उसे सख्ती से लागू किया जाए।

यह याचिका वकील नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने दायर की है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देने की मांग की है कि सभी सार्वजनिक इमारतों के लिए न्यूनतम फायर और जीवन-सुरक्षा मानक तय किए जाएं। उनका कहना है कि अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग नियम होने की वजह से सुरक्षा के स्तर में काफी अंतर है और नियमों का सही तरीके से पालन भी नहीं हो पाता। याचिका में कहा गया है कि मौजूदा फायर सेफ्टी कानून राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अलग-अलग हैं। कई जगह नियम अधूरे हैं, जबकि कई जगह उनका सही तरीके से पालन नहीं किया जाता। इसका सीधा असर लोगों की सुरक्षा पर पड़ता है और आग लगने जैसी घटनाओं में जान-माल का नुकसान बढ़ जाता है। याचिका में मांग की गई है कि एक ऐसा राष्ट्रीय फ्रेमवर्क बनाया जाए, जो पूरे देश में समान रूप से लागू हो।

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
शनिवार, 27 जून, 2026

संपादकीय

भारी पड़ेगा मानसून का रूठना

मानसून की महत्ता को इसी बात से समझ सकते हैं कि कहावतों में इसे भारत का वास्तविक वित्त मंत्री कहा गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मानसून की मेहरबानी बहुत मायने रखती है। चूंकि मानसून एक मौसमी परिघटना है, इसलिए उसकी दशा-दिशा भी कई जलवायविक पहलुओं पर निर्भर करती है। ऐसा ही एक पहलू है अल नीनो। इस साल अल नीनो की आशंकाओं ने नीति-नियंताओं की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह बहुत स्वाभाविक भी है, क्योंकि कई प्रकार की अनिश्चितताओं से उपजी अस्थिरता में कमजोर मानसून वर्तमान स्थितियों को और बिगाड़ने का ही काम करेगा। विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ के अनुसार जून से अगस्त 2026 के बीच अल नीनो के सक्रिय होने की आशंका 80 प्रतिशत तक है, जो नवंबर तक 90 प्रतिशत तक हो सकती है। अमेरिकी मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अल नीनो के वर्ष 2026-27 की पूरी सर्दियों तक बने रहने के 96 प्रतिशत तक आसार हैं, जबकि नवंबर से जनवरी के बीच इसके चरम रूप धारण करने की आशंका 63 प्रतिशत तक है। हालात यही संकेत करते हैं कि 1950 के बाद यह अल नीनो का सबसे प्रचंड असर होने जा रहा है। यह किसी मौसमी अनुमान से अधिक रोजगार, खाद्य सुरक्षा, महंगाई और आर्थिक विकास दर पर मंडराते संकट की एक पूर्व चेतावनी है। इसकी अनदेखी करना बहुत भारी पड़ सकता है। अल नीनो के पीछे के विज्ञान को समझें तो गर्म पानी को पश्चिमी प्रशांत महासागर की ओर धकेलने वाली ट्रेड विंड्स कुछ वर्षों के अंतराल पर कमजोर पड़ जाती हैं। इस स्थिति में वह गर्म पानी वापस पूर्व की ओर फैलता जाता है, जिससे वायुमंडल में ऊष्मा का एक विशाल भंडार उत्सर्जित होता है। यही कारण है कि इतिहास के अब तक के सबसे गर्म साल आमतौर पर अल नीनो के वर्ष ही रहे हैं। पिछली बार वर्ष 2023-24 में इसके प्रचंड रूप ने ही वर्ष 2024 को वैश्विक तापमान के मामले में एक नया रिकार्ड बनाने की दिशा में उन्मुख किया था। यह गर्मी सिर्फ प्रशांत महासागर के ऊपर ही सिमटकर नहीं रहती। विज्ञान की भाषा में यह टेलीकनेक्शंस यानी दूरगामी मौसमी संबंधी परिघटना होती है, जो विश्व भर में वर्षा के रुझान को प्रभावित करती है। इसका एक निश्चित असर भारत में वर्षा के लिए प्रमुख रूप से उत्तरदायी मानसून पर पड़ता है। इससे न केवल मानसूनी वर्षा में देरी होती है, बल्कि उसकी मात्रा भी संकुचित हो जाती है। इस तरह एक दूरस्थ महासागर में घटित होने वाली परिघटना घरेलू समस्या का रूप धारण कर लेती है। भारत को फसल उत्पादन और जल स्रोतों को दोबारा भरने के लिए जितने पानी की आवश्यकता होती है, उसके करीब 70 प्रतिशत हिस्से की पूर्ति मानसून से होती है। भारतीय मौसम विभाग ने पहले ही मानसूनी वर्षा के दीर्घकालिक औसत के 92 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो सामान्य से कम श्रेणी में आता है। कमजोर मानसून के व्यापक दुष्प्रभाव देखने को मिलते हैं। इससे गर्मी और विकराल रूप धारण कर लेती है, जिससे श्रमिकों की उत्पादकता एवं समग्र उत्पादन प्रभावित होता है। कम बारिश से फसल उत्पादन पर असर से किसान की आमदनी घटती है तो आपूर्ति तंग होने से महंगाई बढ़ती है। भारत दुनिया के उन देशों में से एक है, जहां महंगाई को मापने वाले सूचकांक में खाद्य उत्पादों की बड़ी भारी हिस्सेदारी (47.6 प्रतिशत) है। अप्रैल में पहले ही मुद्रास्फीति 4.2 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच चुकी थी और लगता है कि यह अभी और बढ़ सकती है। मानसूनी वर्षा में कमी का सबसे बुरा असर देश के उपजाऊ मैदानी इलाकों पर पड़ता है। जून के मध्य तक इस हिस्से में पहले ही वर्षा में करीब 64 से 65 प्रतिशत तक की कमी देखी गई। इससे खरीफ की बोआई प्रभावित होती है। सिंचाई में मुश्किलों के साथ ही उसकी लागत भी बढ़ जाती है। केवल इस रुझान के चलते ही जीडीपी वृद्धि दर में 0.25 प्रतिशत तक की कमी की आशंका हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान पत्रिका %नेचर% में वर्ष 2023 में प्रकाशित एक अध्ययन ने इसके पीछे के एक बड़े नकारात्मक पहलू को रेखांकित किया कि इससे ऐसा नुकसान होता है कि बाद में हुई वर्षा भी उसकी भरपाई नहीं कर पाती और इसका चक्रीय प्रभाव करीब अगले तीन वर्षों तक देखा जाता है। इससे खाद्य उत्पादन में गिरावट से महंगाई दर में भी 0.5 से 0.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी के आसार बन जाते हैं। डार्टमाउथ कालेज के एक अर्थशास्त्री का अनुमान है कि प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं के चलते वर्ष 2032 तक भारत को करीब एक ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर के आर्थिक उत्पादन का नुकसान उठाना पड़ सकता है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह क्षति 10 ट्रिलियन डालर से भी ऊपर निकल जाएगी। नेचर के उसी अध्ययन में उल्लेख था कि हाल के दौर में आए प्रचंड अल नीनो के कारण दुनिया को वर्ष 1997-98 में 2.1 ट्रिलियन डालर और वर्ष 2015-16 में 3.9 ट्रिलियन डालर का नुकसान हुआ था, जो प्रत्येक बार कुल वैश्विक उत्पादन का लगभग चार से पांच प्रतिशत था। इतिहास साक्षी है कि कैसे इस प्रकार के संकट मानव जाति के लिए घातक साबित हुए हैं।

चढ़ावा चोरी की जांच

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल यानी एसआइटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी। हालांकि हिंदू समाज को चिंतित करने वाले इस मामले की जांच अभी जारी है और एसआइटी की अंतिम रिपोर्ट भी आनी शेष है, लेकिन उसकी प्रतीक्षा किए बिना अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर कुछ न कुछ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए, जिससे लोगों को भरोसा हो कि दोषी बचेंगे नहीं और भविष्य में दान का हिसाब-किताब नीर-क्षीर एवं विश्वसनीय तरीके से होगा। चढ़ावा चोरी प्रकरण केवल राम मंदिर ट्रस्ट की नाकामी को उजागर करने वाला ही नहीं, बल्कि हिंदू समाज की भावनाओं को आहत करने वाला भी है। यह मामला एक तरह से हिंदू आस्था के साथ छल है। इस छल के लिए जो भी जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होते हुए दिखनी ही चाहिए। इसकी पहल राम मंदिर ट्रस्ट को अपने स्तर पर भी करनी चाहिए, क्योंकि उसकी लापरवाही के चलते लोगों के भरोसे को गहरी चोट पहुंची है। अयोध्या में राम मंदिर के लिए दान मंदिर निर्माण के पहले से आ रहा है। कायदे से तो पहले ही ऐसी व्यवस्था बना ली जानी चाहिए थी, जिससे दान राशि के प्रबंधन में किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश न रहती। यह निराशाजनक है कि यह काम राम मंदिर निर्माण और प्रबंधन के लिए ट्रस्ट के गठन के बाद भी नहीं हो सका। यह समझना कठिन है कि जब करीब छह वर्ष पहले दान राशि की गणना को लेकर एक आडिट फर्म ने सवाल उठाए थे, तो उसकी अनदेखी क्यों की गई? इस प्रश्न का उत्तर ट्रस्ट के पदाधिकारियों को देना चाहिए। आडिट फर्म ने दान पात्रों के हिसाब-किताब में खामियों को दूर करने के लिए एक निश्चित मानक संचालन प्रक्रिया बनाने को कहा था। हिंदू समाज को यह बताया जाना चाहिए कि ऐसा क्यों नहीं किया गया? एसआइटी ने भी जिस तरह दान राशि का साप्ताहिक आडिट कराने का सुझाव दिया, उससे यही पता चलता है कि यह एक ऐसा बुनियादी काम था, जो पहले दिन से किया जाना चाहिए था। ट्रस्ट की गलती केवल इतनी ही नहीं कि उसने दान राशि का प्रबंधन उचित तरीके से करने की ठोस व्यवस्था नहीं की। इसे भी उसकी गलती कहा जाएगा कि चढ़ावा चोरी प्रकरण पर उसने तत्काल प्रभाव से एफआइआर दर्ज कराने की जरूरत नहीं समझी। कम से कम अब तो यह काम किया ही जाना चाहिए। वैसे भी एसआइटी ने इसकी सिफारिश कर दी है। यह पहली बार नहीं, जब किसी मंदिर की दान राशि में गड़बड़ी का मामला सामने आया हो। ऐसा ही कुछ और मंदिरों के मामले में सामने आ चुका है। इन स्थितियों में सभी मंदिरों को दान राशि के प्रबंधन के लिए एक ऐसी प्रक्रिया अपनाने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए, जिसमें किसी तरह की खामी और खराबी न हो।

आपातकाल के काले कारनामे

> "जमानत न देने के लिए अदालतों पर दबाव बनाया गया। सेंसरशिप लगाकर प्रेस की आजादी का गला घोंट दिया गया। जेपी, मोरारजी, चौधरी चरण सिंह, कृपलानी आदि अनेक नेता स्वतंत्र भारत में कैदी बन गए।"

12 जून, 1975 को तापमान के साथ-साथ राजनीतिक पारा भी बढ़ रहा था। गुजरात चुनाव के नतीजे इंदिरा गांधी की नींद उड़ाने वाले थे। मतगणना के प्रारंभिक रुझान नवगठित जनता मोर्चा के पक्ष में आ रहे थे। ये नतीजे चिमनभाई पटेल की भ्रष्ट सरकार के विरुद्ध गुजरात के छात्रों-नौजवानों द्वारा चलाए गए जन आंदोलन का परिणाम थे। गुजरात आंदोलन का असर तब राष्ट्रव्यापी स्वरूप लेता नजर आने लगा, जब लोकनायक जयप्रकाश नारायण इसका नेतृत्व करने को तैयार हो गए थे। उन्हीं के प्रभाव से गुजरात के विपक्षी दलों ने जनता मोर्चा के बैनर तले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया था। गुजरात में 182 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को मात्र 75 सीटें मिलीं। गांधीवादी नेता बाबूभाई पटेल के नेतृत्व में गैर-कांग्रेस सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। 1971 में 'इंदिरा लहर' में हुई अपमानजनक हार के बाद विपक्ष की एकता द्वारा हासिल की गई यह पहली विजय पताका थी। 1971 के लोकसभा चुनाव में चौधरी चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी, मधु लिमये, जार्ज फर्नांडिस सरीखे सभी प्रमुख नेता चुनाव हार चुके थे। लोकदल नेता राजनारायण ने अपनी पराजय अस्वीकार कर इलाहाबाद हाई कोर्ट में रायबरेली के चुनाव नतीजों को चुनौती दे डाली। उन्होंने श्रीमती गांधी पर चुनाव के दौरान अपने निजी सचिव यशपाल कपूर को अपना इलेक्शन एजेंट बनाने, स्वामी अवैतानंद को 50 हजार रुपये घूस देकर उम्मीदवार बनाने, वायुसेना के विमानों का दुरुपयोग करने, डीएम-एसपी की अवैध मदद लेने, मतदाताओं को लुभाने हेतु शराब, कंबल आदि बांटने और निर्धारित सीमा से अधिक खर्च करने जैसे तमाम आरोप लगाए। प्रारंभिक सुनवाई के दौरान इसे गंभीरता से नहीं लिया गया, लेकिन 12 जून, 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा द्वारा दिए गए निर्णय ने देश को चकित कर दिया। उन्होंने इंदिरा गांधी के चुनाव को रद करने के साथ ही उन्हें चुनाव लड़ने के लिए छह वर्ष तक अयोग्य घोषित कर दिया। यह वही दौर था, जब जेपी आंदोलन बिहार में भी गुजरात जैसा राजनीतिक परिवेश बनाने में सफल होने लगा था। देश में बदलाव का वातावरण तैयार हो रहा था। विपक्षी नेताओं की बड़ी-बड़ी सभाएं आयोजित होने लगीं और आंदोलन का राष्ट्रव्यापी स्वरूप तैयार हो चला। 12 जून के अदालती फैसले ने विपक्ष को एक नई संजीवनी प्रदान की।

13 जून को विपक्षी नेताओं द्वारा राष्ट्रपति को ज्ञापन देकर इंदिरा सरकार को बर्खास्त करने की मांग की गई। इसी बीच संजय गांधी, आरके धवन और हरियाणा के मुख्यमंत्री बंसीलाल अपनी भावी योजना के क्रियान्वयन में लग गए। कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने इंदिरा इज इंडिया का नारा लगाकर उनकी इस योजना को बल प्रदान किया। कांग्रेस के एक तबके द्वारा सर्वोच्च अदालत में की गई अपील का नतीजा आने तक किसी वरिष्ठ मंत्री को कार्यभार सौंपने की मांग उठने लगी। स्वर्ण सिंह एवं बाबू जगजीवन राम के नाम प्रमुखता के साथ चर्चा में थे, पर श्रीमती गांधी को किसी नेता पर भी विश्वास नहीं था। कांग्रेस के युवा तुर्क नेता चंद्रशेखर ने जेपी और इंदिरा के बीच कई मीटिंग कराईं, लेकिन श्रीमती गांधी के इर्द-गिर्द चापलूस नेता किसी भी समझौते के विरुद्ध थे। जेपी, मोरारजी, चौधरी चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी समेत तमाम नेता श्रीमती गांधी के इस्तीफे से कम पर तैयार नहीं थे। 20 जून को जेपी का कलकत्ता में कार्यक्रम आयोजित था। वे वामपंथी नेता ज्योति बसु को भी इस आंदोलन का हिस्सा बनना चाहते थे, पर राजनीतिक पूर्वाग्रहों के चलते यह संभव न हो पाया। जेपी की रैली में तब अजीब स्थिति पैदा हो गई, जब उनकी कार के बोनट पर ममता बनर्जी चढ़ गईं। 20 जून को रामलीला मैदान में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विपक्षी दलों के नेताओं को आमंत्रित किया गया। जेपी को दिल्ली न पहुंचने देने की कोशिश की गई। इसी समय सिद्धार्थ शंकर रे जैसे कानूनविद और नेता संजय गांधी के साथ मिलकर आपातकाल का खाका तैयार करने में लगे हुए थे। 25 जून, 1975 को रामलीला मैदान में एक बड़ी रैली का आयोजन हुआ। सभी दलों के प्रमुख नेताओं की उपस्थिति ने सभा को गंभीर बना दिया। मंच पर मदनलाल खुराना और मेरी भी उपस्थिति थी। अंतिम वक्ता के रूप में जेपी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले का जिक्र करते हुए श्रीमती गांधी के इस्तीफे की मांग कर डाली। उन्होंने सेना और पुलिस से भी अवैध आदेशों की अनदेखी करने की अपील की। इसी को मुद्दा बनाकर रात 11-45 पर राष्ट्रपति से हस्ताक्षर कराकर आपातकाल की घोषणा कर दी गई। अगले कुछ दिनों में देश भर में लगभग दो लाख राजनीतिक लोगों को बंदी बनाया गया। उनके परिजनों को यातनाएं दी जाने लगीं। जमानत न देने के लिए अदालतों पर दबाव बनाया गया। सेंसरशिप लगाकर प्रेस की आजादी का गला घोंट दिया गया। जेपी, मोरारजी, चौधरी चरण सिंह, कृपलानी आदि अनेक नेता स्वतंत्र भारत में कैदी बन गए। 21 महीने के आपातकाल में केवल विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों के खिलाफ दमनचक्र ही नहीं चलाया गया, बल्कि संविधान को बंधक बनाकर नागरिकों के सभी मौलिक अधिकार भी छीन लिए गए। स्पष्ट है कि आपातकाल स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र के लिए एक कलंक था।

मोदी सरकार की प्राथमिकता में वंचित वर्ग कल्याणकारी योजनाओं से सशक्तिकरण

ए. सूर्यप्रकाश

विरोधियों की इस बात में कुछ तर्क हो सकता है कि प्रधानमंत्री देश में सामाजिक तनावों को पूरी तरह से सुलझा नहीं पाए हैं। देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं के रवैये को लेकर भी उनकी कुछ शिकायतें जायज हो सकती हैं।

भारत की शासन व्यवस्था से परिचित लोग यह कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी सक्षम नेतृत्वकर्ता सिद्ध हुए हैं। उनके नेतृत्व में बीते 12 वर्षों के दौरान भारत ने अद्भुत प्रगति की है। बुनियादी ढांचे से लेकर गरीबी उन्मूलन, आर्थिक विकास, स्वास्थ्य देखभाल, उद्योग, कृषि, विदेश नीति, रक्षा और डिजिटल इंडिया हो या सामाजिक क्षेत्र में हासिल उपलब्धियां इसका प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। इन्हीं उपलब्धियों के दम पर वे भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। उनकी सफलताओं की सूची को एक स्तंभ में समेटना बहुत मुश्किल है। ऐसे में सर्वाधिक उल्लेखनीय पहलू को रेखांकित करना ही सबसे उचित होगा, जिसने उनकी एक अलग पहचान बनाई। मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के साथ ही गरीब और हाशिए पर मौजूद वंचित वर्गों को अपनी प्राथमिकता बनाया और उनके उत्थान के लिए ऐसी योजनाएं बनाकर उन्हें धरातल पर उतारा, जिससे इन वर्गों के जीवन की गुणवत्ता सुधरी है। उनके नेतृत्व में की गईं कई पहल संविधान के भाग चार में उल्लिखित राज्य नीति के नीति निदेशक तत्वों के अंतर्गत उन उद्देश्यों से ही प्रेरित हैं, जो कल्याणकारी राज्य बनाने और विशेष रूप से गरीबों के लिए जीवन को सुगम बनाने का प्रयास करती हैं। मोदी की पहली क्रांतिकारी पहल थी प्रधानमंत्री जन धन योजना। इसने वित्तीय समावेशन में एक नई क्रांति की। इसका यह बिंदु और भी संतोषजनक है कि जनधन में 56 प्रतिशत खाताधारक महिलाएं हैं।

इसने देश की आधी आबादी के लिए वित्तीय स्वतंत्रता की राह प्रशस्त की है। इसी क्रम में मोदी का अगला बड़ा विचार था स्वच्छ भारत मिशन। इसके अंतर्गत गरीब परिवारों को शौचालयों के निर्माण के लिए सब्सिडी प्रदान की गई। ऐसा ही एक कार्यक्रम रहा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जिसका उद्देश्य गरीब परिवारों को सब्सिडी वाली रसोई गैस उपलब्ध कराना था। इस योजना के जरिये 10.5 करोड़ परिवार लाभार्थी बने हैं। यह सही है कि पश्चिम एशिया युद्ध के कारण सब्सिडी वाले सिलिंडरों की संख्या में कटौती की गई, लेकिन उम्मीद है कि जब पेट्रोलियम उत्पादों का प्रवाह सामान्य होगा, तो इसे बहाल किया जाएगा। हर घर नल से जल कार्यक्रम भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जिसका उद्देश्य सभी ग्रामीण परिवारों को पाइप से पानी की आपूर्ति करना है। अब तक 19 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से 73 प्रतिशत के पास यह सुविधा पहुंचाई जा चुकी है। कोविड काल में संघर्ष कर रहे लोगों को सहारा देने के लिए आरंभ की गई मुफ्त राशन योजना भी 81 करोड़ लोगों का सहारा बन चुकी है। इस योजना ने मुश्किल वक्त में गृहिणियों के समक्ष चुनौतियों को विकराल नहीं होने दिया। इन सभी योजनाओं का मर्म समझें तो इनकी संकल्पना कहीं न कहीं महिलाओं की मुश्किलों को ध्यान में रखकर की गई। जैसे गरीब ग्रामीण परिवारों में महिलाओं को शौच के लिए घर से बाहर और अक्सर गांव से बाहर तक जाना पड़ता था। शौचालय की सुविधा से उन्हें बड़ी राहत मिली। चूल्हा जलाने के लिए लकड़ी इकट्ठा करने के लिए दूर-दराज जाना पड़ता था और धुएं में खाना पकाना पड़ता था, लेकिन रसोई गैस से उनकी ये दुश्वारियां दूर होने के साथ ही भोजन पकाना भी कहीं आसान हो गया है। सरकार ने विधानसभाओं और संसद में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों के आरक्षण के लिए कानून को आगे बढ़ाने की भली मंशा दिखाने के साथ ही सशस्त्र बलों में महिलाओं को स्थायी कमीशन दिया है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षित 17 महिला अधिकारियों का पहला बैच हाल ही में सशस्त्र बलों में कमीशन किया गया। महिलाओं के मुद्दों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता का सबसे अच्छा उदाहरण 2017 में मातृत्व लाभ अधिनियम में संशोधन और महिलाओं के लिए पहले दो बच्चों के लिए मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह करने का निर्णय रहा है। यह प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं की रोजगार और वेतन की सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में यह कहना सर्वथा उचित होगा कि महिलाओं का सशक्तीकरण मोदी सरकार की नीतियों का आधार रहा है। इन योजनाओं को व्यापक संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो ये राज्य के नीति निदेशक तत्वों की अनुशंसाओं से प्रेरित हैं। जैसे कि संविधान का अनुच्छेद 42 उचित और मानवीय परिस्थितियों को सुनिश्चित करने और मातृत्व राहत प्रदान करने का निर्देश देता है। अनुच्छेद 43 एक निर्वाह योग्य पारिश्रमिक और सम्मानजनक जीवन स्तर सुनिश्चित करने का निर्देश देता है।

नागरिकता का प्रमाण

विदेश मंत्रालय के इस स्पष्टीकरण ने कि पासपोर्ट यात्रा का दस्तावेज है, नागरिकता का प्रमाण नहीं, एक बहस को जन्म दे दिया है तो इसीलिए, क्योंकि आम धारणा यही थी कि पासपोर्ट नागरिकता का सबसे पुष्ट प्रमाण होता है। यह आम धारणा इसके बाद भी थी कि पासपोर्ट एक्ट ऐसा नहीं कहता। इस एक्ट के अनुसार विशेष परिस्थितियों में गैर-भारतीयों को भी पासपोर्ट जारी किया जा सकता है। उच्च न्यायालयों ने भी यही निर्णय दिया है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है। विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद इस पर बहस होना स्वाभाविक है कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है तो फिर क्या है? यह प्रश्न इसलिए भी सतह पर है, क्योंकि हाल में और विशेष रूप से कुछ राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के वक्त यह कहा गया कि आधार भी नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इसी तरह पैन, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड इत्यादि भी नागरिकता के प्रमाण पत्र नहीं माने गए। यह सही है कि नागरिकता का निर्धारण सिटिजनशिप एक्ट के तहत होता है, लेकिन समस्या यह है कि देश के लोगों को किसी तरह का नागरिकता प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता। सिटिजनशिप एक्ट यह तो बताता है कि जन्म, वंश, देश में लंबी अवधि तक रहने और कुछ अन्य आधारों पर नागरिकता तय होती है, लेकिन अपने देश में अन्य देशों की तरह नागरिकता का कोई विशिष्ट प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता। विश्व के विकसित और यहां तक कि कई विकासशील देशों में यह काम किया जाता है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि इन देशों के लोगों को अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए तरह-तरह के दस्तावेजों का सहारा नहीं लेना पड़ता। चूंकि सिटिजनशिप एक्ट इसकी सिफारिश करता है कि भारत सरकार प्रत्येक नागरिक का अनिवार्य पंजीकरण कर सकती है, राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी कर सकती है और अपने नागरिकों का रजिस्टर यानी एनआरसी तैयार कर सकती है, इसलिए यह काम किया ही जाना चाहिए। हालांकि अतीत में नागरिकता प्रमाण पत्र के लिए एनआरसी लाने और आधार को एनआरसी से जोड़ने की कोशिश की गई, लेकिन कुछ हो नहीं सका। इसके बाद नागरिकता कानून में संशोधन करने यानी सीएए बनाने के बाद एनआरसी की आवश्यकता जताई गई, लेकिन उसके खिलाफ दुष्प्रचार के तहत एक अभियान छेड़ दिया गया। इससे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर तैयार करने की पहल ठंडे बस्ते में चली गई। अभी तक केवल असम में नागरिक रजिस्टर तैयार किया जा सका है। उचित यह होगा कि शेष देश में भी ऐसा ही किया जाए और एनआरसी तैयार कर लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र दिए जाएं। यह पहल घुसपैठियों की पहचान करने के साथ कई अन्य समस्याओं का भी समाधान करेगी।

बच्चों के सीखने का जरिया हैं खेल

सचिन तेंदुलकर

हर बचपन कुछ जानी-पहचानी आवाजों से गूंजता है। धूल भरे मैदानों पर गेंद के गिरने की धमक। तंग गलियों में दौड़ते बच्चों की हंसी। रस्सी कूदने की लय, कंचों की खनक और ढेर सारे गीत-कहानियां। खेल-खेल में बच्चों की दुनिया को समझना ही सीखने की प्रक्रिया की सबसे पहली शुरुआत है। मुझे याद है, जब मैं छोटा था, तो घंटों अपने कोच की देखरेख में खेला करता था। वे स्टंप्स पर एक रुपये का सिक्का रख देते थे और गेंदबाजों को मुझे आउट करने की चुनौती देते थे। अगर वे मुझे आउट कर देते, तो सिक्का उनका और अगर मैं नाबाद रहता, तो वह मेरा होता। वे सिक्के आज भी मेरी सबसे अनमोल धरोहर हैं। उन्होंने मुझे एकाग्रता, धैर्य और खुद को बेहतर बनाने का दृढ़ संकल्प सिखाया। स्कोरबोर्ड, बड़े स्टेडियमों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की दुनिया में पहुंचने से बहुत पहले, मैंने खेल के जरिये ही सब कुछ सीखा। नेतृत्व को समझने से पहले मैंने टीम के साथ मिलकर काम करना सीखा। खेल में हारकर मैंने मुश्किलों से उबरना सीखा और बार-बार कोशिश करके आत्मविश्वास बढ़ाया। दुनिया भर के लाखों बच्चों की तरह मैंने भी यह महसूस किया कि खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं है, बल्कि यह खुद जीवन की तैयारी है। यूनिसेफ के साथ जुड़ने के बाद मुझे लगता है कि यह संदेश पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। आज पूरी दुनिया में बचपन बदल रहा है। खुले मैदान कम हो रहे हैं। पढ़ाई के बढ़ते बोझ और आनलाइन बिताए जाने वाले समय की वजह से बच्चों के लिए खुलकर खेलने, खुलकर कल्पना करने और आपस में मिलने-जुलने के अवसर कम होते जा रहे हैं। न्यूरोसाइंस और सीखने का विज्ञान पुष्टि करते हैं कि जब बच्चे खेलते हैं, तो वे जीवनभर के लिए सीखते हैं। खेल के जरिये वे भाषा सीखते हैं, अपनी एकाग्रता बढ़ाते हैं, भावनाओं पर काबू पाना सीखते हैं, समस्याओं को सुलझाने का अभ्यास करते हैं और दूसरों के साथ घुलना-मिलना सीखते हैं। जीवन के पहले आठ साल मानव विकास के सबसे महत्वपूर्ण चरणों में से हैं।

इन वर्षों के दौरान मस्तिष्क का विकास जीवन के किसी भी अन्य चरण की तुलना में सबसे तेजी से होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के नर्चरिंग केयर फ्रेमवर्क के शोध से पता चलता है कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत से अधिक विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यही शुरुआती साल शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सुरक्षा, भाषा, जिज्ञासा, आत्मविश्वास और सामाजिक समझ की नींव रखते हैं। यही वे वर्ष हैं, जब बच्चों में सुनने, संवाद करने, ध्यान केंद्रित करने, याद रखने, तर्क करने और पढ़ने-लिखने और गणित की बुनियादी समझ जैसी महत्वपूर्ण क्षमताएं विकसित होती हैं। इसी दिशा में भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति छोटे बच्चों के लिए खेल-आधारित शिक्षा के महत्व को स्वीकार करती है। यह सोच में आया एक बड़ा बदलाव है, जो आंगनवाड़ी और शुरुआती कक्षाओं में खेल को बुनियादी शिक्षा का केंद्र बनाता है। अब कक्षाएं तेजी से ऐसी बनती जा रही हैं, जहां बच्चे गतिविधियों और खेल-खेल में सीखते हैं। जब गणित के जोड़ को कंचों के साथ खेल-खेल में सिखाया जाता है, तो वह मजेदार हो जाता है। इसी तरह, रोल-प्ले (नाट्य रूप) के जरिये भाषा और आत्मविश्वास बढ़ता है और अपने आसपास की दुनिया को देखकर आकृतियों और रंगों की समझ बेहतर होती है। गीत, कहानियां और शारीरिक गतिविधियां पाठों में जान डाल देती हैं, जिससे कक्षाएं जिज्ञासा, सहभागिता और सीखने के उत्साह से भरी जीवंत जगह बन जाती हैं। खेल-खेल में सीखने का सिलसिला स्कूल के बाद भी जारी रहता है-चाहे घर पर हो, गलियों में हो या खेल के मैदान में। इसके लिए महंगे खिलौनों या बड़े बुनियादी ढांचे की जरूरत नहीं होती। एक मां का बच्चे को खाना खिलाते हुए लोरी सुनाना, दादाजी का पेड़ के नीचे बैठकर कहानियां सुनाना, भाई-बहनों का घर की चीजों से नए खेल खेलना या पिता का अपने बच्चे के साथ टहलते हुए उसे पक्षियों, रंगों और आवाजों के बारे में बताना-ये सभी सीखने के बेहतरीन अवसर हैं। इन पलों में बच्चे अपनी शब्दावली, एकाग्रता, याददाश्त, कल्पना और आपसी रिश्तों को मजबूत करते हैं। यही वह बुनियाद है, जिस पर आगे की शिक्षा टिकी होती है। अगर हम चाहते हैं कि बच्चे सही मायने में विकसित हों, तो खेल को केवल एक विकल्प नहीं रहने दिया जा सकता। हमें इसे सुरक्षित रखना होगा, बढ़ावा देना होगा और हर बच्चे के जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा-घर में भी और स्कूल में भी। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। हमें बचपन को उसी रूप में देखना होगा, जैसा वह वास्तव में है। एक आनंदमय और कीमती पड़ाव, जिसे देखभाल, सुरक्षा और आगे बढ़ने के अवसरों की जरूरत है। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसका जीवन खेलकूद के जरिये गहराई से संवरा है, मैं इसकी शक्ति को भलीभांति समझता हूं।

मौसी-भांजी ने बीच सड़क एक-दूसरे को लिथाड़-लिथाड़ कर पीटा, बॉयफ्रेंड को मैसेज भेजने को लेकर हुआ बवाल

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में बुधवार रात उस समय हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब मौसी और भांजी बीच सड़क पर आपस में भिड़ गईं। दोनों ने एक-दूसरे को जमकर पीटा, बाल खींचे और सरेराह गाली-गलौज की। हैरानी की बात यह रही कि दोनों युवतियों के बॉयफ्रेंड भी मौके पर आपस में हाथापाई करने लगे। करीब 20 मिनट तक सड़क पर चले इस हंगामे को देखने के लिए राहगीरों की भीड़ जुट गई और लोग तमाशबीन बने रहे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। सूचना मिलने पर गंगाघाट पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद चारों को अलग कराया। पुलिस ने दोनों युवतियों को समझाकर उनके घर भेज दिया, जबकि दोनों युवकों को

हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

सरस्वती टॉकीज के सामने हुआ हंगामा

जानकारी के अनुसार, बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे राजधानी मार्ग

स्थित सरस्वती टॉकीज के सामने अचानक दो युवतियां आमने-सामने आ गईं। पहले दोनों के बीच कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। दोनों ने एक-दूसरे के बाल पकड़ लिए और सड़क पर गिराकर मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उनके साथ मौजूद दोनों युवक भी भिड़ गए। बीच सड़क हुए इस हंगामे के कारण कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। राहगीरों ने घटना का वीडियो अपने मोबाइल में कैद कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

बॉयफ्रेंड को मैसेज भेजने को लेकर बढ़ा विवाद

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पूरा विवाद मोबाइल पर चैटिंग और एक-दूसरे के बॉयफ्रेंड को मैसेज भेजने को लेकर हुआ। बताया जा रहा है कि नेहरू नगर, शुक्लागंज निवासी पलक मिश्रा (30) और उनकी भांजी आयुषी पांडेय (26) के बीच काफी समय से इस बात को लेकर तनातनी चल रही थी। दोनों एक-दूसरे पर अपने-अपने बॉयफ्रेंड से बातचीत और मैसेज भेजने का आरोप लगा रही थीं। बुधवार रात दोनों पक्ष आमने-सामने आए तो आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए और मामला मारपीट तक पहुंच गया।

पुलिस कर रही मामले की जांच

पुलिस के मुताबिक प्रथम पक्ष में नेहरू नगर शुक्लागंज निवासी पलक मिश्रा और सुभाष मिश्रा शामिल थे, जबकि दूसरे पक्ष में पोनी रोड शुक्लागंज निवासी आयुषी पांडेय और कृष्णा तिवारी थे। गंगाघाट कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच विवाद की वास्तविक वजह और सभी की भूमिका की जांच की जा रही है। दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नवीन गंगापुल निर्माण के लिए एक दर्जन मकान ध्वस्त

बाकी भवनों पर कार्रवाई बाकी मिश्रा कॉलोनी में प्रशासन और सेतु निगम का संयुक्त अभियान जारी

उन्नाव। शुक्लागंज क्षेत्र में प्रस्तावित नवीन गंगापुल के निर्माण को लेकर प्रशासन द्वारा मकान ध्वस्तीकरण अभियान तेज कर दिया गया है। पुल निर्माण की जद में आ रहे मकानों को हटाने के लिए राजस्व विभाग और सेतु निगम की संयुक्त टीम लगातार कार्रवाई कर रही है।

अब तक 10 मकानों को पोकलैंड मशीन की मदद से ध्वस्त किया जा चुका है, जबकि 28 भवनों पर अभी कार्रवाई शेष है। गुरुवार को अभियान के तहत तीन और मकानों को गिराया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शेष भवनों को हटाने की प्रक्रिया भी जल्द पूरी की जाएगी, ताकि नवीन गंगापुल निर्माण का कार्य निर्धारित समय पर शुरू कराया जा सके। जानकारी के अनुसार, शुक्लागंज की मिश्रा कॉलोनी में कुल 38 मकान पुल परियोजना की जद में आ रहे हैं। इन भवन स्वामियों को प्रशासन की ओर से पहले ही मुआवजे का भुगतान कर दिया गया था और

मकान खाली करने के लिए नोटिस भी जारी किए गए थे। राजस्व विभाग ने रविवार से अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया था। शुरुआती दो दिनों तक जेसीबी मशीन से ध्वस्तीकरण का कार्य कराया गया, लेकिन मशीन खराब हो जाने के बाद प्रशासन ने पोकलैंड मशीन की व्यवस्था की, जिसके जरिए अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। गुरुवार सुबह राजस्व विभाग के लेखपाल आशू श्रीवास्तव, फाजिल अंसारी तथा सेतु निगम के जूनियर इंजीनियर (जेई) कुंदन की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित परिवारों ने अपने मकान पहले ही खाली कर दिए हैं। अधिकांश लोग अपने घरों से गृहस्थी का सामान दूसरी जगह ले जा चुके हैं और कई परिवार दरवाजे, खिड़कियां तथा अन्य उपयोगी सामान भी निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि नवीन गंगापुल निर्माण शुक्लागंज और उन्नाव के बीच यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके लिए आवश्यक भूमि को जल्द खाली कराकर निर्माण कार्य को गति दी जाएगी।

ग्राम जुहीखा में राहत चौपाल का किया गया आयोजन

औरैया। संभावित बाढ़, अतिवृष्टि एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से जनहानि और पशुहानि को न्यूनतम करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी बृजेश कुमार की अध्यक्षता में तहसील अजीतमल के ग्राम जुहीखा में राहत चौपाल का आयोजन किया गया। राहत चौपाल के साथ ही 8वीं वाहिनी एनडीआरएफ, गाजियाबाद की टीम द्वारा ग्राम जुहीखा में आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर कम्यूनिटी अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनडीआरएफ के सब-इंस्पेक्टर रूपेश कुमार एवं उनकी टीम ने ग्रामीणों को बाढ़ सहित विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचाव के उपायों की जानकारी दी। एनडीआरएफ टीम ने ग्रामीणों को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित निकासी, प्राथमिक बचाव तकनीकों तथा जान-माल की सुरक्षा के लिए अपनाए जाने वाले उपायों का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया। ग्रामीणों को बताया गया कि आपदा के समय किस प्रकार स्वयं को सुरक्षित रखते हुए अन्य लोगों की मदद की जा सकती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और उन्होंने आपदा प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। प्रशासन और एनडीआरएफ के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समुदाय को हर परिस्थिति के लिए तैयार करना रहा।

निर्जला एकादशी पर सामाजिक समरसता का संदेश मोचियों व जरूरतमंदों को बांटे घड़े व खाद्य सामग्री

उन्नाव। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर शहर में सेवा, सहयोग और सामाजिक समरसता का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। नर सेवा-नारायण सेवा समिति के संस्थापक एवं भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने शहर के मोचियों एवं अन्य जरूरतमंद परिवारों के बीच पहुंचकर उन्हें मिट्टी के घड़े, खाद्य सामग्री, अंग वस्त्र एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया। इस सेवा कार्य ने समाज में भाईचारे और मानवीय संवेदनाओं का संदेश दिया। ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाई जाने वाली निर्जला एकादशी को धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति वर्षभर की सभी एकादशियों का व्रत नहीं रख पाता, वह केवल निर्जला एकादशी का व्रत रखकर सभी एकादशियों के समान पुण्य प्राप्त कर सकता है। इसी आध्यात्मिक भावना से प्रेरित होकर

विमल द्विवेदी द्वारा पिछले कई वर्षों से जरूरतमंदों की सहायता के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान विमल द्विवेदी ने कहा कि सनातन धर्म में दान, सेवा और परोपकार को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। उन्होंने कहा कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सम्मान और सहयोग पहुंचाना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि हिंदू समाज की सभी जातियां हिंदुत्व की मजबूत आधारशिला हैं और सामाजिक समरसता तभी मजबूत होगी, जब समाज के प्रत्येक वर्ग को बराबर सम्मान और अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य केवल सहायता पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के हर व्यक्ति को साथ लेकर चलने और आपसी प्रेम, सौहार्द तथा एकजुटता को मजबूत करने का संकल्प भी है। जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक सहायता सामग्री प्रदान कर समिति ने यह संदेश दिया कि समाज में किसी भी व्यक्ति को स्वयं को उपेक्षित महसूस नहीं होने देना चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की और सेवा कार्य की सराहना की। इस अवसर पर जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, अनीता विमल द्विवेदी, राकेश राजपूत, केतन अवस्थी, अभि तिवारी, राजेंद्र राजपूत, अमूल्य, विकास सिंह सेंगर, राघवेंद्र पांडेय, मनीष अवस्थी, धर्मेंद्र शुक्ल एवं परिमल मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने समाज के जरूरतमंद वर्गों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। निर्जला एकादशी के अवसर पर आयोजित यह सेवा अभियान लोगों के लिए प्रेरणा का केंद्र बना और समाज में सहयोग, सद्भाव एवं मानवता का संदेश देकर संपन्न हुआ।

खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं प्रधानाध्यापक की बैठक संपन्न हुई

रायबरेली। ग्रीष्मावकाश के उपरांत गुरुवार से परिषदीय विद्यालयों का संचालन प्रारम्भ हो गया। खंड शिक्षा अधिकारी छतोह विजय प्रकाश की अध्यक्षता में बीआरसी पर प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक सम्पन्न हुई।

खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया गया कि लगातार जनसंपर्क करके 6 से 14 आयुवर्ग के बच्चों को सुसंगत कक्षाओं में एडमिशन करें, सेवित क्षेत्र का कोई भी बच्चा एडमिशन से वंचित न रहे, साथ ही उन्हे प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित करें। विद्यालय का वातावरण आकर्षक व शिक्षण को रूचिकर बनायें। डीबीटी, अपार आईडी, फैमिली आईडी, पुस्तक वितरण डीसीएफ आदि आनलाइन कार्य अविलम्ब पूर्ण करें। बारिश से पूर्व ही जर्जर कक्षों का चिन्हांकन करते हुए उस पर क्रास का मार्क लगवा के घेराबंदी करवा दें ताकि बच्चों की उसमें एंट्री न होने पाये। एमडीएम व्यवस्था दुरुस्त कर लें किसी भी प्रकार के विषैले कीड़ों से भोजन के बचाव के लिए उचित प्रबंध कर लें। इसके साथ संचारी रोगों की रोकथाम के लिए अभिभावकों के साथ बैठक करके जन-जागरूकता अभियान चलायें। बैठक में सभी हेडमास्टर उपस्थित रहे।

उन्नाव स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर फिर उठे सवाल, सरकारी ड्यूटी के दौरान निजी क्लीनिक में मरीज देखने का आरोप

स्थानीय लोगों में नाराजगी

उन्नाव। जिले के शुक्लागंज क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। क्षेत्र के एक नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात डॉक्टर पर सरकारी ड्यूटी के समय निजी क्लीनिक में मरीज देखने के गंभीर आरोप लगे हैं। मामले के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था और सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की उपलब्धता पर भी प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित चिकित्सक की ड्यूटी सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक शुक्लागंज के नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में निर्धारित है।

आरोप है कि इसी दौरान डॉक्टर प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक शहर के एक निजी सिटी क्लीनिक में मरीजों का इलाज करते दिखाई देते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि

जब चिकित्सक निजी क्लीनिक में मौजूद रहते हैं तो सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीजों का उपचार कौन करता है। मामले की पड़ताल करने पहुंची इंडिया न्यूज़ की टीम को स्थानीय लोगों ने कैमरे पर बताया कि डॉक्टर अस्पताल में नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहते हैं। लोगों का कहना है कि चिकित्सक कभी-कभार ही अस्पताल आते हैं और अधिकतर उनकी मौजूदगी तब देखने को मिलती है, जब कोई विभागीय बैठक होती है, विशेष टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा होता है या किसी बड़े अधिकारी का निरीक्षण प्रस्तावित होता है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण मरीजों को घंटों अस्पताल में इंतजार करना पड़ता है। कई बार मरीज बिना इलाज के ही वापस लौट जाते हैं, जिससे गरीब और जरूरतमंद लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि सरकार द्वारा ग्रामीण और शहरी गरीबों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण योजनाओं का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है। क्षेत्रीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, इस पूरे मामले में स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि विभाग इन गंभीर आरोपों को कितनी गंभीरता से लेता है और सरकारी ड्यूटी के दौरान निजी प्रैक्टिस के आरोपों पर क्या कार्रवाई करता है।

मुलायम सिंह यादव ने समाज के हर तबके को सम्मान दिलाने का कार्य किया : विधायिका महाराजी प्रजापति

अमेठी। पूर्व कैबिनेट मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति की धर्मपत्नी अमेठी विधायिका महाराजी प्रजापति ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत करने और दलित, पिछड़े, किसान, मजदूर तथा वंचित समाज को सत्ता और प्रशासन में सम्मानजनक भागीदारी दिलाने का सबसे बड़ा कार्य श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव ने किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1990 में मुलायम सिंह यादव ने पिछड़े वर्गों को संविधान की भावना के अनुरूप 27 प्रतिशत आरक्षण लागू कर ऐतिहासिक कदम उठाया। उस समय सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्ग की भागीदारी लगभग नगण्य थी, लेकिन आज लाखों पिछड़े वर्ग के युवाओं को सरकारी सेवाओं में अवसर प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार दलितों का नौकरियों में आरक्षण 18ल था , मुलायम सिंह यादव ने उसे बढ़ाकर 21ल किया।यह सामाजिक न्याय की राजनीति की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। श्रीमती प्रजापतिने कहा कि दलित समाज के अधिकारों की रक्षा और उनकी भागीदारी

बढ़ाने के लिए भी मुलायम सिंह यादव ने महत्वपूर्ण कदम उठाए। पंचायतों में आरक्षण व्यवस्था लागू होने से पहले दलितों और पिछड़ों की राजनीतिक भागीदारी अत्यंत सीमित थी। ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत प्रमुख तथा जिला पंचायत अध्यक्ष जैसे पदों पर उनका प्रतिनिधित्व बहुत कम था। लेकिन पंचायतों में आरक्षण लागू होने के बाद दलित, पिछड़े एवं वंचित वर्ग के लाखों लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा बने और नेतृत्व की मुख्यधारा में आए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को पंचायतों में आरक्षण मिलने से समाज के प्रत्येक वर्ग की महिलाओं को नेतृत्व का अवसर प्राप्त हुआ। आज हजारों महिलाएं ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष बनकर समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। यह सामाजिक परिवर्तन की एक बड़ी क्रांति है। विधायिका ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, मान्यवर कांशीराम और नेताजी मुलायम सिंह यादव द्वारा शुरू किए गए सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक अधिकारों के मिशन को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आगे बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ-साथ सर्वजन समाज के सम्मान, भागीदारी और अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं होगा, बल्कि संविधान, आरक्षण, सामाजिक न्याय, लोकतंत्र और गरीब-वंचित समाज के सम्मान को बचाने का चुनाव होगा।

हनुमानपुरी में मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप, तीन नामजद समेत 6-7 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के हनुमानपुरी में पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने तीन नामजद तथा 6-7 अज्ञात लोगों के खिलाफमुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, हनुमानपुरी निवासी विवेक सिंह पुत्र कृष्णानंद सिंह ने थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि 25 जून 2026 को आशु सिंह, निखिल सिंह तथा उनके साथ आए 6-7 अन्य लोगों ने उन पर हमला कर दिया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे पड़ोसी दुकानदार सर्वेश राजपूत, नंदपाल और राम प्रसाद के साथ भी कथित रूप से मारपीट की गई। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि घटना के दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित ने सरोजनीनगर थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी और आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आशु सिंह, निखिल सिंह तथा 6-7 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफसंबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सहित अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

बिजनौर सांसद के दो वर्ष का कार्यकाल जनसेवा, विकास और जनता के विश्वास की मिसाल- चौधरी शोएब

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मौ . परवेज

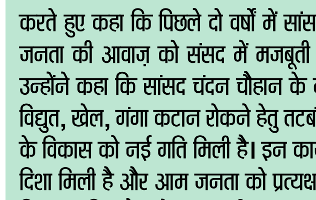

किरतपुर। बिजनौर लोकसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय लोकदल के सांसद चंदन चौहान के सफल दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर क्षेत्रीय मंत्री युवा राष्ट्रीय लोकदल एवं प्रदेश अध्यक्ष युवा इंडियन बैकवर्ड कांफ्रेंस उत्तर प्रदेश चौधरी शोएब ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में सांसद चंदन चौहान ने जनसेवा, विकास और जनता की आवाज़ को संसद में मजबूती से उठाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सांसद चंदन चौहान के नेतृत्व में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, विद्युत, खेल, गंगा कटान रोकने हेतु तटबंध निर्माण तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास को नई गति मिली है। इन कार्यों से बिजनौर जनपद के विकास को नई दिशा मिली है और आम जनता को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ है। चौधरी शोएब ने कहा कि आज बिजनौर लोकसभा की जनता सांसद चंदन चौहान के कार्यों की खुले दिल से सराहना कर रही है। गांव-गांव और शहर-शहर में विकास कार्यों की चर्चा है तथा जनता का विश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि जनता का अपार स्नेह, विश्वास और समर्थन इस बात का प्रमाण है कि सांसद चंदन चौहान ने एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन किया है। उन्होंने आगे कहा कि सांसद चंदन चौहान केवल संसद तक सीमित नहीं रहे, बल्कि हर सुख-दुख में जनता के बीच खड़े होकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करते रहे हैं। यही कारण है कि आज बिजनौर लोकसभा की जनता उन्हें अपने विकास का मजबूत आधार और क्षेत्र की नई पहचान के रूप में देख रही है।

आज वाराणसी के अखरी बाईपास क्षेत्र में बारी समाज का पहल (रावत हॉस्पिटल का उद्घाटन)

वाराणसी के माननीय कैंट वाराणसी विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने फीता काट कर उद्घाटन किया साथ में डॉ अजय रावत (बारीसमाज) के आनंद रावत बारी- ठेकेदार लखनऊ डॉ गिरिजा शंकर प्रसाद उत्तर प्रदेश बारी महासभा के संरक्षक वरिष्ठ उपाध्यक्ष बच्चू लाल बारी अमरनाथ बारी पूर्व महामंत्री अरुण बारी विजय कुमार दिनेश कुमार बारी जौनपुर लालजी बारी डीएलडब्यू श्याम बिहारी रावत अन्य बारी समाज के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

पीलीभीत विकासखंड पुरनपुर देहात ग्राम पंचायत

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामपंचायत पूरनपुर देहात के सक्षम अधिकारी द्वारा ग्रामपंचायतवासियों और वार्ड मेंबरों के समक्ष खुली बैठक में आवासों की अंतिम सूची को पढ़ा गया। जिसमें मुख्य रूप से ग्रामपंचायत अधिकारी अवनीश कुमार (सहायक खंड विकास अधिकारी), ग्रामपंचायत प्रधान पति फैय्याज खान, रोजगार सेवक लतीफ अहमद, पंचायत सहायिका गौसिया मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने किया आपातकाल के दौरान जेल गए व सरकार की यातनाओं को सहने वाले लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान

औरैया ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय तुर्कीपुर औरैया में हुई बैठक में देश में 25 जून को देश में लगाए गए आपातकाल के दौरान जेल गए सरकार की यातनाओं को सहा,ऐसे लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आनंद सिंह एवं जिला अध्यक्ष सर्वेश कठेरिया ने लोकतंत्र सेनानियों को माला ,अंगवस्त्र पहनाकर सभी का स्वागत, सम्मान सत्कार ,किया । क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आनंद सिंह ने कहा कि आज 25 जून का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक ऐसे दिन के रूप में याद किया जाता है, जब वर्ष 1975 में देश पर आपातकाल थोपा गया था। यह अवधि 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक चली, जिसे लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रताओं पर गंभीर प्रतिबंधों के लिए याद किया जाता है। भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया ने आपातकाल के दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया, प्रेस पर सेंसरशिप लागू हुई और अनेक विपक्षी नेताओं एवं सामाजिक

कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। उस दौर को लोकतंत्र के लिए एक कठिन परीक्षा माना जाता है। आज भारतीय जनता पार्टी उन सभी लोकतंत्र सेनानियों को नमन करती है जिन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया।

लोकतंत्र सेनानियों संगठन के जिलाध्यक्ष सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि संविधान, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव सजग रहें। लोकतंत्र केवल एक शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है। हमें नई पीढ़ी को यह बताना होगा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और नागरिक स्वतंत्रता कितनी महत्वपूर्ण है। हम संकल्प लें कि भारत के संविधान, लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय एकता को और अधिक सशक्त बनाएंगे तथा लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष को सदैव स्मरण रखेंगे। कार्यक्रम में जिला महामंत्री यशवीर सिकरवार, मनु राजपूत,आशीष दुबे, भूरे चौबे,योगेंद्र कैथवार, इंद्रपाल पाल, अमरचन्द्र राठौर,विशाल शुक्ला,सुनील बाल्मीकि, मोनू सेंगर, राहुल गुप्ता ,आदर्श पाण्डेय,श्याम जी अवस्थी,अनुराग दीक्षित,आशीष कठेरिया,सौरभ राजपूत,कन्हैया कठेरिया सहित प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित

जो 'राम' के ना हुए, वो 'राष्ट्र' के क्या होंगे, चंदा चोर पार्टी का सामाजिक बहिष्कार हो–केजरीवाल

ट्रस्ट, ट्रस्ट के लोग और राम के घर डकैती करने वाले सब चंदा चोर पार्टी के हैं- केजरीवाल, करोड़ों हिन्दुओं की आत्मा को तभी शांति मिलेगी, जब बड़े डकैतों को फांसी की सजा होगी- केजरीवाल

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या/लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भगवान श्रीराम के घर में अरबों रुपए की चोरी करने वाले सभी राक्षसों को सरेआम फांसी पर लटकाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जो 'राम' के ना हुए, वो 'राष्ट्र' के क्या होंगे। पूरे देश में चंदा चोर पार्टी का सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए। क्योंकि ट्रस्ट, ट्रस्ट के लोग और राम के घर डकैती करने वाले सब चंदा चोर पार्टी के हैं। चंदा चोर पार्टी छोटे प्यादों को फंसाकर राम के घर बड़ी डकैती करने वालों को बचा रही है। ऐसे में करोड़ों हिन्दुओं की आत्मा को तभी शांति मिलेगी, जब बड़े डकैतों को फांसी की सजा होगी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन्होंने चोरी की, उन्हीं पर कार्रवाई की जिम्मेदारी है। फर्जी एसआईटी, फर्जी एफआईआर और फर्जी गिरफ्तारी, छोटे प्यादों को फंसाकर बड़े अपराधियों को बचाया गया। अयोध्या में प्रेसवार्ता कर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवान राम के घर में महा डकैती हो गई है। भगवान राम के आभूषण, उनका हार, उनकी पादुका, उन पर चढ़ाए गए चांदी, सोना, हीरे-जवाहरात, करोड़ों-अरबों रुपए का कैश और ना जाने क्या-क्या चोरी हो गया है। इस चोरी में बहुत बड़े-बड़े राक्षस शामिल हैं। भगवान राम पर करोड़ों-करोड़ों लोगों की आस्था है और उन करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है। लोग आहत हुए हैं। मैं स्वयं बहुत आहत हुआ और इसीलिए आज मैं भगवान राम के दर्शन करने के लिए राम मंदिर गया। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि जिन लोगों ने चोरी की है और जो इस महा डकैती में शामिल हैं, बदकिस्मती से उन्हीं को कार्रवाई भी करनी है। जाहिर तौर पर वह अपने खिलाफ तो कार्रवाई करेंगे नहीं, वह पूरी तरह से अपने को बचाने में लगे हुए हैं। ये जो फर्जी एसआईटी बनी और गुरुवार को जो फर्जी एफआईआर हुई, उस फर्जी एफआईआर में आठ छोटे-छोटे प्यादों को आरोपी शामिल किया गया। कोई बड़े नाम नहीं हैं। एक तरफ तो इतनी बड़ी महा डकैती हुई और दूसरी तरफ इसमें जितने बड़े-बड़े राक्षस शामिल हैं, उनको बचाने की कोशिश की जा रही है। यह एक तरह से सभी हिंदुओं के जले पर नमक छिड़कने वाली बात है। लोगों का कहना है कि उनकी आत्मा को तब तक शांति नहीं मिलेगी जब तक चोरी करने वाले इन बड़े-बड़े लोगों को सरेआम फांसी की सजा नहीं दी जाएगी। केजरीवाल ने कुछ उदाहरण देते हुए कहा कि सिंधी एसोसिएशन ने 26 जनवरी 2021 को 200 किलो चांदी दान में दी। उन्हें रसीद नहीं मिली और उन्होंने रसीद की जिद भी नहीं की। उन्हें पूरा यकीन था कि भगवान के यहां चंदा चढ़ा रहे हैं, इसमें रसीद की क्या जरूरत है। बहुत लोग जाते हैं भगवान के यहां चंदा चढ़ाते हैं, रसीद कौन मांगता है। 5 साल हो गए उन्होंने कभी रसीद की जिद नहीं की, लेकिन अब जब उन्होंने यह सारा मामला जाना तो उनकी भी रूह कांप गई। अब वे पूछ रहे हैं कि हमारी 200 किलो चांदी कहां गई? उनका विश्वास डगमगा गया। भगवान राम पर उनकी अटूट श्रद्धा है, लेकिन मंदिर को चलाने वाले और उनके ऊपर के आकाओं के ऊपर उनका विश्वास डगमगा गया है। केजरीवाल ने

कहा कि रोज लाखों श्रद्धालु मंदिर में आते हैं और चढ़ावा चढ़ाते हैं। बताया जा रहा है कि रोज 12 से 14 लाख रुपए का चंदा मंदिर में आया करता था। जब से यह खबरें मीडिया में आई हैं, यह घटकर 1 लाख रुपए से भी कम हो गया है। लोगों की आस्था को बहुत भारी ठेस पहुंची है। ऐसे ढेरों उदाहरण हैं। किसी रस्तोगी जी ने दो दीपक दान में दिए, जिसमें से एक दीपक पर अखंड ज्योति जलाई गई। बता रहे हैं कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद उस दीपक का कोई अता-पता नहीं है। बहुत सारे लोग अब अपने-अपने चंदे का हिसाब मांग रहे हैं। जिन लोगों ने अपनी जमीनें, गहने और अपने घर का पूरा सामान बेचकर सब कुछ भगवान राम पर लुटा दिया, आज उनकी आस्था को भारी ठेस पहुंची है। केजरीवाल ने बताया कि राम मंदिर के नाम पर जमीनों की भी चोरी हुई है और जमीनों के जरिए इन्होंने पैसे को साइफन ऑफ किया है। इसका एक उदाहरण है कि कुसुम पाठक और हरीश पाठक ने 18 मार्च 2021 को अपनी सवा हेक्टेयर जमीन 2 करोड़ रुपए में चंदा चोर पार्टी से संबंधित दो लोगों को बेची। मात्र 10 मिनट के अंदर मंदिर के ट्रस्ट ने 2 करोड़ की वही जमीन चंदा चोर पार्टी के लोगों से 18 करोड़ रुपए में खरीद ली। इसका मतलब 16 करोड़ रुपए ट्रस्ट ने भगवान राम के साइफन ऑफ कर दिए। ऐसे ढेरों उदाहरण हैं जिनकी कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन जिन लोगों को कार्रवाई करनी है, वे अपने खिलाफ एक्शन नहीं लेंगे। वे छोटे-छोटे कैशियर, चौकीदार और माली को पकड़ेंगे, ऊपर बैठे हुए बड़े लोगों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि राम मंदिर के निर्माण में भी आरोप लग रहे हैं कि हर टेंडर के अंदर कमीशन खाया गया और 2 रुपए का काम 10-20 रुपए में कराया गया। और अब जो निकल कर आ रहा है कि मंदिर बनने के समय और मंदिर चालू होने के बाद जितना चढ़ावा आया, उस चढ़ावे की बड़े स्तर के ऊपर चोरी की गई है। केजरीवाल ने आगे कहा कि हिंदुओं ने चंदा चोर पार्टी को प्यार देने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन चंदा चोर पार्टी ने हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। चंदा चोर पार्टी ने हिंदुओं को जिस तरह का धोखा दिया है, शायद ही भारत के इतिहास में किसी ने हिंदुओं के साथ इतना बड़ा छल किया होगा। उन्होने कहा कि इतने बड़े स्तर पर रोज चोरी हो रही थी, तो क्या बड़े लोगों को पता नहीं था? अगर किसी मंदिर की मूर्ति चोरी हो जाए, तो वह एक घटना मानी जा सकती है, लेकिन जहां रोज इतने बड़े स्तर पर चोरी हो रही हो, शिकायतें हो रही हों और 8 महीने के सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग गायब कर दी गई हो, तो इसका मतलब है कि यह बहुत ऊपर तक की बात है। मुख्य प्रश्न यह है, जो पूरा देश और हिंदू समाज जानना चाहता है कि कितने करोड़ और अरबों रुपए की चोरी हुई और वह सारा पैसा गया कहां? वह सारा पैसा ये आठ कैशियर नहीं ले गए जिनके खिलाफ एफआईआर हुई है। जो अरबों रुपए का पैसा, सारे हीरे-जवाहरात, चांदी, पादुका, हार और भगवान के आभूषण चोरी हो गए, वह अयोध्या के बाहर गया, कहां गया और उसका डेस्टिनेशन कहां है? इसके तार बहुत ऊपर तक हैं। केजरीवाल ने कहा कि चोरी सामने आए 18 दिन हो गए। जब मैं गुरुवार को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा और अयोध्या की तरफ आ रहा था, एफआईआर उसके बाद हुई है। एफआईआर करने के लिए भी इतनी जद्दोजहद करनी पड़ी। मैंने सोशल मीडिया और मीडिया के जरिए सुना कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने चंपत राय से रिकॉर्ड और हिसाब-किताब मांगा, लेकिन चंपत राय ने देने से मना कर दिया। इस देश में एक ऐसा व्यक्ति भी है जो मोदी जी को मना भी कर सकता है और मोदी जी ने उसे मान भी लिया, कोई रिमाइंडर तक नहीं भेजा। इससे समझा जा सकता है कि इसके तार कहां तक हैं। चंपत राय के पास ऐसी क्या जानकारी है जिसके सामने मोदी जी भी बेबस हैं? केजरीवाल ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री जी चंपत राय के सामने इतने बेबस हैं, तो सोचा जा सकता है कि कौन कहां कितना मिला हुआ है। लेकिन मेरी समाज से विनती कि कानून अपना काम करे या ना करे, हम सब मिलकर कानून से काम कराएंगे। यह पूरे समाज की भी जिम्मेदारी है कि जितने भी चंदा चोर, उनके सहयोगी या समर्थक हैं, उन सबका सामाजिक बहिष्कार करना शुरू कर दीजिए, नहीं तो आप भी पाप के भागीदार बनेंगे। पूरे हिंदू समाज की मांग है कि ट्रस्ट के अंदर बैठे इन नेताओं और अफसरों का मंदिर से क्या लेना-देना है? इन्होंने अपने प्यादों को बिठा रखा है। आज हम हनुमानगढ़ी गए थे, जिसका संचालन साधु-संत करते हैं। भगवान राम का मंदिर भी साधु-संतों और धर्माचार्यों को सौंपा जाए। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं लोगों से कहना चाहता हूं कि जो राम के नहीं हुए, जिन्होंने भगवान राम को लूट लिया, वे आपके क्या होंगे? कुछ अंधभक्तों को लगता था कि ये लोग बड़े ईमानदार हैं और उन्हें इनकी ईमानदारी पर बड़ा भरोसा था, वे अंधभक्त जान लें कि जिन्होंने राम को नहीं छोड़ा, वे राष्ट्र को क्या छोड़ेंगे? आज मैं तो भगवान राम के मंदिर में कसम खाकर आया हूं कि जब तक इन राक्षसों को फांसी पर नहीं चढ़वा दूंगा, तब तक चैन की सांस नहीं लूंगा। केजरीवाल का योगी पर पलटवार, 'चंदा चोरों का साथ छोड़िए, ये आपकी कुर्सी भी नहीं छोड़ेंगे' अरविंद केजरीवाल ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर पलटवार करते हुए कहा कि महाराज जी, ये जो चंदा चोर हैं, ये आपको भी हटाने का पूरा षड्यंत्र रच रहे हैं और आपकी भी कुर्सी के पीछे पड़े हैं। आप महापाप करने वालों का साथ क्यों दे रहे हैं? मेरा संघर्ष यह है कि इन चंदा चोरों और राक्षसों को सरेआम फांसी दी जानी चाहिए। इसमें मेरा साथ दीजिए और इन महापापियों का साथ मत दीजिए। उधर, 卐आप卐 के राज्यसभा सदस्य व उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि गुरुवार को जब अरविंद केजरीवाल प्रभु श्री राम के दर्शन करने अयोध्या पहुंचे, तो आनन-फानन में चंदा चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। जब अरविंद केजरीवाल ने इस मामले को मजबूती से उठाया, तो आज यह जानकारी मिल रही है कि चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा भी हो गया है। राम मंदिर में हुई इस चंदा चोरी की घटना से अरविंद केजरीवाल और हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले देश के करोड़ों लोग बेहद आहत और पीड़ित हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर युवक ने दी जान

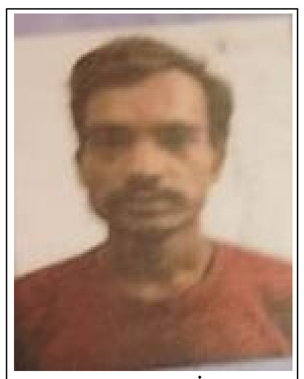

मृतक मूलचंद

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, बंथरा के बेंती स्थित रामगढ़ी निवासी मूलचंद (30) अपनी पत्नी कुसुमा और बेटे शनि के साथ रहता था और मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। शुक्रवार सुबह उसकी पत्नी कुसुमा बेटे शनि को लेकर बकरी चराने चली गई थी, जबकि मूलचंद घर में अकेला था। दोपहर के समय जब कुसुमा वापस घर लौटी तो उसने कमरे के अंदर मूलचंद को पंखे के हुक से गमछे के सहारे लटका देखा। यह देखकर उसके होश उड़ गए और वह चीखने-चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे तथा युवक को नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची बंथरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में मृतक के शराब का आदी होने की बात सामने आई है। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीबीएयू में पीजी पाठ्यक्रमों में पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाई

30 जून तक विलंब शुल्क के साथ पंजीकरण कर सकेंगे विद्यार्थी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 के स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार अभ्यर्थी अब 30 जून तक विलंब शुल्क के साथ पंजीकरण करा सकेंगे। जारी की गयी सूचना के अनुसार सभी वर्गों (यूआर, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी एवं दिव्यांग) के अभ्यर्थियों के लिए विलंब शुल्क 1000 निर्धारित किया गया है। विवि ने इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि के भीतर विलंब शुल्क सहित अपना पंजीकरण पूर्ण कर लें, ताकि प्रवेश प्रक्रिया में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त कर सकें। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी किसी भी प्रकार की जानकारी विश्वविद्यालय कीआधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने ली नवनियुक्त पदाधिकारियों की पहली परिचयात्मक बैठक

बैठक में मिशन 2027 के मद्देनजर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने एवं पार्टी की नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुँचाने की रणनीति पर हुआ मंथन

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाजपा के नवनियुक्त पदाधिकारियों की पहली परिचयात्मक महत्वपूर्ण बैठक लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय पर आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने की, जिसमें आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने एवं पार्टी की नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुँचाने की रणनीति पर मंथन किया गया। बैठक में मिशन 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों, बूथ सशक्तीकरण और सदस्यता अभियान पर विशेष जोर दिया गया एवं केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और उपलब्धियों को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने की रणनीति बनाई गई । इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे 7

बिजनौर में एसडीएम महोदय नितिन तेवतिया जी को एक ज्ञापन सौंपा

बिजनौर। तहसील चांदपुर जिला बिजनौर में एसडीएम महोदय नितिन तेवतिया जी को एक ज्ञापन सौंपा। इसकी अध्यक्षता ब्लॉक उपाध्यक्ष सतबीर सिंह जी वह संचालन ब्लॉक प्रचार मंत्री तरुण कुमार ने किया। पंचायत में जलीलपुर ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह काकरान ने कहा कि बिजली विभाग से संबंधित सभी समस्याओं जैसे अंधाधुध बिजली कटौती, जर्जर लाइने आदि को दुरुस्त कराया जाए, भीषण गर्मी में फसलों की सिंचाई हेतु सभी नेहरो और रजबाहे में पानी पहुंचाना सुनिश्चित करें, आवारा पशुओं और आदमखोर गुलदारो से किसानों और उनकी फसलों की सुरक्षा की गारटी दी जाए, किसानो की फसलों की सुरक्षा हेतु बीएसएफ की तर्ज पर एएसएफ एग्रीकल्चर सिक्योरिटी फोर्स का गठन किया जाए ,किसानो की फ़र्दो में छूटा अंश निर्धारण कर ठीक कराये जाए, जनपद सोनभद्र और गौतम बुद्ध नगर में साल भर से अधिक समय से चल रहे हैं अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के बारे में शासन प्रशासन को अवगत कराकर समाधान कराने का प्रयास करें,

फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज तहसील के उप जिलाधिकारी अतुल सिंह द्वारा भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के निर्दोष जिला अध्यक्ष को फोन करके बुलाकर अकारण हिरासत में लिए जाने वाले रुष्टरू अतुल सिंह पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए आदि। भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति का जोरदार धरना प्रदर्शन को देखते हुए किसानों के बीच पहुंचे उप जिलाधिकारी नितिन तेवतिया जी को किसानो की विभिन्न समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन सोपा। उप जिलाधिकारी महोदय ने समय रहते सभी समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया। पंचायत में निर्णय लिया गया कि समय रहते ठोस कार्यवाही एवं समस्याओं का समाधान न होने पर भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति की ओर से पूरे प्रदेश में एक बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की स्वयं होगी। पंचायत में मुख्य रूप से योगेंद्र सिंह काकरान कमल सिंह कन्हैया जी नत्थू यादव भूदेव यादव सत्यवीर सिंह योगेंद्र सिंह तोमर नाथू यादव गजराज सिंह कुमारपाल सिंह सुभाष चौधरी अक्षय कुमार नरेश भगत जी धीरज त्यागी दयाराम सिंह केहर सिंह तरुण कुमार राजेश कुमार आदि भारी मात्रा में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मोहनलालगंज पुलिस पर पत्रकार से अभद्रता का आरोप, वाहन चालान को लेकर हुआ विवाद

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। थाना मोहनलालगंज क्षेत्र में मोहर्रम के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा निगरानी की जा रही थी। इसी दौरान कवरेज के लिए पहुंचे पत्रकारों ने देखा कि सड़क किनारे खड़े वाहनों का कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा चालान किया जा रहा था। मीडिया कर्मियों ने पुलिसकर्मियों से सवाल किया कि मोहर्रम में आए लोगों के सड़क किनारे खड़े वाहनों पर इस तरह चालान की कार्रवाई करना उचित है या नहीं। आरोप है कि इसी दौरान सिपाही विशाल जायसवाल ने एक पत्रकार से अभद्र भाषा का प्रयोग किया और उन्हें अपना काम करने की बात कही।इस बात को लेकर पत्रकार और पुलिसकर्मी के बीच कहासुनी हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने भी मामले पर चर्चा की। पत्रकारों ने पुलिसकर्मी के व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से करने की बात कही है।

छिनैती करने वाले 03 अभियुक्तों को घटना में प्रयुक्त वाहन समेत किया गया गिरफ्तार

औरैया/दिबियापुर। अजय कुमार पाण्डेय पुत्र स्व0 कृष्ण अवतार पाण्डेय (अनुदेशक चकबन्दी अधिकारी बिधूना) निवासी नयी बस्ती सत्तेश्वर थाना कोतवाली औरैया जनपद औरैया द्वारा थाना दिबियापुर पर तहरीर दी गई कि दिनांक 22.06.2026 को शाम लगभग 05:30 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल से ककोर मुख्यालय से डाक लेकर बिधूना कार्यालय जा रहे थे तभी रामगढ़-दिबियापुर मार्ग पर गुलरिया गाँव के पास काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने पीछे से आ रही एक हैरियर कार पर सवार दो अन्य अज्ञात व्यक्तियों की मदद से उन्हें रोककर गाली-गलौज की और विरोध करने पर डंडों से मारपीट कर उनका %रियल मी एंड्रायड% मोबाइल छीनकर मौके से फरार हो गए । उक्त घटना पर थाना दिबियापुर पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए प्राप्त तहरीर के आधार पर अभियोग मु0अ0स0 236/26 धारा 304(2)/115 (2)/352/ 126(2)/3(5)

बीएनएस पंजीकृत किया गया । उच्चाधिकारियों द्वारा घटनाओं के शीघ्र अनावरण हेतु टीमों का गठन किया गया था जिसके क्रम में दिनाँक 24.06.2026 को संयुक्त पुलिस टीम द्वारा रात्रि, संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चैकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर केंजरी नहर पुल के पास से समय करीब 20.10 बजे 03 नफर अभियुक्त गौरव यादव पुत्र सुभाष चन्द्र निवासी नगला महाजीत थाना सिविल लाइन इटावा जनपद इटावा उम्र करीब 22 वर्ष, योगेन्द्र यादव पुत्र अरुण यादव निवासी नगला सबल थाना भरथना जनपद इटावा उम्र करीब 18 वर्ष एवं प्रदीप यादव पुत्र किताब सिंह निवासी नगला महाजीत थाना सिविल लाइन इटावा जनपद इटावा उम्र करीब 35 वर्ष को गिरफ्तार कर कब्जे से छीना हुआ 01 अदद मोबाइल व घटना में प्रयुक्त 01 अदद पल्सर मोटर साइकिल व 01 अदद टाटा हैरियर कार सहित गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान अभियुक्तगण द्वारा बताया गया कि वह इटावा में एक प्राइवेट फाइनेन्स कम्पनी चलाते है जिसमें उनके साथ काम करने वाली महिला सहकर्मी के पति की मृत्यु लगभग 5 वर्ष पूर्व हो चुकी थी उसका उसके ससुर (अजय कुमार पाण्डेय) से गुजारा भत्ता को लेकर आपस में विवाद चल रहा है इसी बात को लेकर महिला सहकर्मी के कहने पर उन्होंने अजय कुमार पाण्डेय को पीटने व पीटने के बाद उनका मोबाईल फोन छीन लेने की योजना बनाई थी जिससे वह किसी को मौके से फोन ना कर सके योजना के अनुसार दिनांक 22/06/2026 को उन्होंने अजय कुमार पाण्डेय के साथ मारपीट कर उनका मोबाइल छिनकर मौके से भाग गये थे। पूछताछ एवं बरामदगी के आधार पर उक्त अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

पीलीभीत में मोहर्रम जुलूस के कारण रहेगी बिजली गुल: शुक्रवार को सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक रहेगा पावर कट

रामलीला शहर उपकेन्द्र के टाउन नंबर 1 और टाउन नंबर 2 फीडर में भी बिजली बंद रहेगी। इसके अतिरिक्त, रूपपुर कमालू उपकेन्द्र के टाउन नंबर 3, हॉस्पिटल फीडर, टाउन नंबर 2 इंडस्ट्रियल, ललौरीखेड़ा, दुर्गा राइस मिल और के.एस. फीडर में भी विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। स्टोर सेन्टर उपकेन्द्र के दूधिया मंदिर और छतरी चौराहा फीडर की आपूर्ति भी प्रभावित होगी। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण विद्युत उपकेन्द्र रामलीला ग्रामीण, न्यूरिया, मिकारीपुर, मशोला और उडरा में भी बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। विद्युत विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से इस सुरक्षात्मक कदम में सहयोग की अपील की है। अधिकारियों के अनुसार, जुलूस के दौरान किसी भी अप्रिय घटना या दुर्घटना को रोकने के लिए यह शटडाउन आवश्यक है। ताजिया दफन होने के बाद सभी क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के विद्युत वितरण उपखण्ड द्वितीय (नकटदाना, पीलीभीत) के उपखण्ड अधिकारी ने उपभोक्ताओं को इस संबंध में सूचित किया है। उपखंड अधिकारी ने बताया कि 132 केवी विद्युत उपकेन्द्र से पोषित पीलीभीत शहर के विभिन्न 33/11 केवी उपकेन्द्रों से जुड़े इलाकों में सुबह 11:00 बजे से (या ताजिया निकलने के वास्तविक समय से) लेकर रात 08:00 बजे तक (या ताजिया दफन होने तक) बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। नकटदाना उपकेन्द्र से जुड़े 11 केवी के आवास विकास, काशीराम, खकरा, खुदागंज, पुलिस लाइन, निरंजन कुंज और बेनहर रोड फीडर प्रभावित होंगे।

गीता शाक्य के प्रदेश महामंत्री बनने पर भाजपाइयों ने मिष्ठान वितरण कर मनाया जश्न

औरैया। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश की बहु प्रतीक्षित प्रदेश टीम की घोषणा की गई प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश टीम में 19 उपाध्यक्ष आठ महामंत्री 19 प्रदेश मंत्री घोषित किए गए औरैया जिले के लिए हर्ष का विषय है कि औरैया जिले की जुझारू नेता महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राज्य सभा सांसद गीता शाक्य को प्रदेश महामंत्री बनने पर भाजपाइयों ने औरैया जिला कार्यालय पर मिठाइयां बांटी एवं ढोल नगाड़े बजाकर जश्न मनाया एवं प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया। भाजपा जिला अध्यक्ष सर्वेश कठेरिया ने कहा कि एक छोटे से गांव से निकलकर आज प्रदेश की महामंत्री बनी गीता शाक्य कोई राजनीतिक परिवार से नहीं थी । एक साधारण परिवार में जन्मी जहां कोई राजनीति नहीं करता था,भारतीय जनता पार्टी में ही संभव है की छोटे से कार्यकर्ता को प्रदेश की बड़ी जिम्मेदारी दे दी जाती है ।गीता शाक्य जी पूर्व में भाजपा की जिला अध्यक्ष ,क्षेत्रीय मंत्री , भाजपा प्रदेश मंत्री , वर्तमान में महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष थी ।उनके प्रदेश महामंत्री बनने से जिले के कार्यकर्ताओं में बहुत ही उत्साह है। जिला महामंत्री यशवीर सिकरवार व जिला मीडिया प्रभारी भूरे चौबे ने संयुक्त रूप से कहा कि निश्चित तौर पर राज्य सभा सांसद गीता शाक्य के प्रदेश महामंत्री बनने से जिले के कार्यकर्ताओं की बात सीधे तौर पर प्रदेश स्तर पर पहुंच जाएगी। बड़े ही गर्व की विषय है कि जिले का कोई नेता प्रदेश टीम में पदाधिकारी बना। गीता शाक्य हमेशा कार्यकर्ताओं की चिंता करती हैं ,छोटे से छोटे कार्यकर्ता की चिंता करती हैं ।उनके प्रदेश महामंत्री बनने से निश्चित तौर पर जिले के कार्यकर्ताओं का सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री विशाल शुक्ला , मोनू सेंगर,रवींद्रीय शाक्य,मनु राजपूत, अवधेश भदौरिया , आशीष दुबे, श्याम मोहन मिश्रा , सुनील बाल्मीकि, सोनू मिश्रा, अवध चतुर्वेदी, राज्यवर्धन सिंह गौर रामजी बाजपेई,संदीप शाक्य सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएम औरैया ने दिया 6 अपराधियों को जिला बदर करने का आदेश

औरैया। जिलाधिकारी बृजेश कुमार ने गुण्डा एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए 06 लोगों को जिला बदर करने का फरमान जारी किया है। जिसमें जिला बदर किये गये अपराधियों में अजय कुमार पुत्र रवीन्द्र ऊर्फ सिपाही लाल निवासी राहतपुर थाना कोतवाली औरैया,राजा ऊर्फ मान सिंह पुत्र हमीर सिंह यादव निवासी मुहल्ला राजीवनगर थाना अजीतमल,दीपू यादव उर्फ दीपू पुत्र उमाशंकर यादव उर्फ उमाशंकर निवासी वैसुन्धरा थाना दिबियापुर, सचिन जाटव पुत्र स्व0 श्यामसुंदर निवासी भाऊपुर थाना कोतवाली औरैया, मुहम्मद आकिब अंसारी पुत्र मुहम्मद नईम निवासी ऊंचा टीला थाना फफूंद व धर्मेन्द्र उर्फ धर्मेन्द्र सिंह उर्फ धर्मेन्द्र यादव पुत्र सतीश चंद्र निवासी उमरसाना थाना दिबियापुर को गुण्डा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जिला बदर करने का फरमान जारी किया है। इन सभी अपराधियों पर विभिन्न थानों में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज हैं। जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक को निष्कासन अवधि के दौरान इन पर कड़ी नजर रखने एवं जनपद की सीमा में 06 माह तक प्रवेश न करने के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

पीलीभीत में युवक का शव आम के बाग में मिला परिजनों ने साढू पर हत्या का आरोप लगाया

पुलिस जांच में जुटी

सुनगढ़ी थाना क्षेत्र में एक युवक का शव आम के बाग में फंदे से लटका मिला। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक के परिजनों ने उसके साढू पर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, 38 वर्षीय होरीलाल ग्राम संतोषपुर का निवासी था और रुद्रपुर में नौकरी करता था। वह बुधवार को अपने घर लौटा था।

इसके बाद वह न्यूरिया थाना क्षेत्र के ग्राम जनकपुरी स्थित अपनी पत्नी हीरा काली के मायके गया, जहां उसने पत्नी और बच्चों साधना व हरीश से मुलाकात की। देर रात वह अपने गांव संतोषपुर लौट आया। बताया जाता है कि होरीलाल का साढू ढाकन लाल भी उसी गांव में रहता है। बुधवार रात होरीलाल संदिग्ध परिस्थितियों में ढाकन लाल के घर पहुंच गया। वहां किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद होरीलाल छत से टीनशेड पर कूद गया। इस हादसे में उसके पैरों में गंभीर चोटें आईं। छत से कूदने के बाद घायल

होरीलाल गांव के बाहर रेलवे ट्रैक पर जाकर लेट गया। मृतक के भतीजे ने उसे रेलवे ट्रैक पर पड़ा देखा और परिजनों को सूचित किया। परिजन उसे घायल अवस्था में उठाकर पास के एक आम के बाग में ले गए और वहीं छोड़ आए। गुरुवार सुबह जब परिजन दोबारा बाग में पहुंचे, तो होरीलाल का शव आम के पेड़ पर फंदे से लटकता मिला। मृतक के भाई पूरनलाल ने साढू ढाकन लाल पर हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का सीधा आरोप लगाया है। क्षेत्र में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। कुछ लोग इसे प्रेम प्रसंग या आत्मग्लानि के चलते उठाया गया आत्मघाती कदम मान रहे हैं। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। सुनगढ़ी थानाध्यक्ष नरेश त्यागी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों के आरोपों और मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर गहनता से जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

सारा अली खान

पहली मुलाकात में मुझे कोई पसंद नहीं करता, पति के रूप में अच्छे इंसान की तलाश है

सारा अली खान इस वक्त अपनी फिल्म शपति पत्नी और वो दोश् को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने शनवभारत टाइम्सश् को दिए इंटरव्यू में करियर में इनसिक्योरिटी से लेकर मां अमृता सिंह, स्प्रिचुएलिटी, लाइफ पार्टनर और करियर पर बात की। सारा अली खान बेबाक हैं, बिंदास हैं, साथ ही प्रतिभा की धनी भी। अभिनय के मामले में उन्होंने अपनी खानदानी परंपरा को आगे बढ़ाया और खुद को साबित किया। कई भूमिकाओं में सराही गई सारा को उनकी पिछली फिल्म शमेट्रो इन दिनोंश् में उनके काम को खूब तारीफ मिली थी। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म शपति पत्नी और वो दोश् को लेकर। इस खास मुलाकात में उन्होंने अपने अध्यात्म, होने वाले जीवनसाथी, अपनी मां, ट्रोल्स, अपने बेबाक अंदाज जैसे कई मुद्दों पर बेधड़क होकर बात की। खुद को स्वीकार करना ही सच्ची स्प्रिचुअलिटी है सारा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो अपनी स्प्रिचुअल जर्नी के लिए भी जानी जाती हैं। आप अकसर उन्हें मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में अपना भक्तिभाव लुटाते देखते हैं। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में वह कहती हैं, शहां, मैं स्प्रिचुअल हूं, मगर इसी के साथ आपको अपने आप को भी स्वीकार करना जरूरी होता है। फिर आप वो चाहे जैसे करो। आप अपने माता-पिता के जरिए करो, अपने वर्कआउट के जरिए करो या किसी और रास्ते, मगर खुद को स्वीकारना और स्वयं के साथ सहज होना बहुत आवश्यक है। देखिए, वही मेरी निजी जिंदगी है। मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं।श् मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं। मेरे बारे में लोग कहते हैं, दिल साफहै लड़की का एक बेबाक और प्रो-एक्टिव अभिनेत्री के रूप में जाने जाने से सारा को कोई गुरेज नहीं। उनका बहुत ज्यादा ट्रांसपेरेंट होना हमेशा चर्चा जगाता है। इस पर वह कहती हैं, श्ट्रांसपेरेंट होने का फायदा-नुकसान दोनों होता है मुझे। जब आप मुझे पहली, दूसरी और तीसरी बार भी मिलेंगी, तब शायद मुझे पसंद न करें। लेकिन आप अगर चौथी बार मिलें, तो हम दोस्त बन जाएंगे। मेरे अंदर एक फिल्टर सिस्टम है, जिसमें मुझे पसंद करने के लिए आपको मुझसे चार बार मिलना जरूरी है, क्योंकि पहले तीन बार आप मुझे पसंद ही नहीं करने वाले।श् शपहली बार जब कोई मुझसे मिलता है, तो उसका रिएक्शन होता है, श्ये क्या है?श, दूसरी बार वो कहता है, शबड़ी अजीब है येश। तीसरी बार भी वो उतना मुतमइन नहीं होता। वो कहते हैं, श्ये तो कुछ भी बोलती हैश, मगर जब वो चौथी बार मिलता है, तो कहता है, शदिल साफहै लड़की काश् तो मुझसे मिलने वालों को इन पड़ावों से गुजरना होता है। मगर ये सच है कि पहली -दूसरी मुलाकात में मैं लोगों को पसंद नहीं आती।श् (हंसती हैं) मेरे अंदर एक फिल्टर सिस्टम है, जिसमें मुझे पसंद करने के लिए आपको मुझसे चार बार मिलना जरूरी है, क्योंकि पहले तीन बार आप मुझे पसंद ही नहीं करने वाले।मुझसे मिलने वालों को इन पड़ावों से गुजरना होता है। मगर ये सच है कि पहली या दूसरी मुलाकात में मैं लोगों को पसंद नहीं आती। अपनी मां जैसी तिनका भर बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात अपने करियर में सारा कई फिल्मों में पत्नी और प्रेमिका की भूमिका निभा चुकी हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि जीवनसाथी के रूप में वह किस तरह के शख्स को चाहेंगी? तो वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, श्एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे वड कर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। बाकी के और गुण भी हों, तो बढ़िया है। मगर साथ में सही समय का होना जरूरी है।श् एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे वड कर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। मां अमृता सिंह को लेकर सारा अली खान भावुक सभी जानते हैं कि सारा की जिंदगी में उनकी मां अमृता सिंह अहम स्थान रखती हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए वह थोड़ी भावुक हो जाती हैं। उन्हीं के शब्दों में, श्मुझे लगता है, हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं।श् हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं। कोई बेरोजगार बंदा ही ट्रोलिंग करता होगा दूसरे कई कलाकारों की तरह सारा भी ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मगर अब सारा ने हेटर्स से डील करना सीख लिया है। वह कहती हैं, श्मैं भी मानती हूं कि सोशल मीडिया की अकाउंटेबिलिटी के लिए यूजर्स को अपने आधार कार्ड या कोई भी ऑफिशियल पेपर्स जमा कराने चाहिए, मगर दूसरी तरफ मुझे ये भी पता है कि ऐसा नहीं होने वाला, तो जब ऐसा नहीं होने वाला, तो दूसरों के बजाय खुद को रेगुलेट करना मेरे लिए आसान है। सुनने में बुरा लगे, मगर यह कोई बेरोजगार बंदा है, जो अपनी जिंदगी में खुश नहीं है और इसीलिए वो ऊटपटांग चीजें कह रहा है। श्मैं ये समझने लगी हूं कि भले आप ये कहें कि अपने इंस्टाग्राम से आधार कार्ड लिंक करें, मगर ये नहीं होगा, तो फिर तो हमें खुद को ही नियंत्रित करना होगा। हमें समझना होगा कि ये वो लोग हैं, जिनका कोई चेहरा नहीं है और जो कुछ भी कह सकते हैं। हमें तो बस अपना काम करना होगा। अपने काम में अपनी खुशी खोजनी होगी। इसके बावजूद लोग अनाप-शनाप कमेंट करें, तो हमें निराश होने की जरूरत नहीं।श् मैं इनसिक्योर अभिनेत्री नहीं हूं आम तौर पर जब भी कोई कलाकार मल्टीस्टारर फिल्म में काम करता है, तो एक सवाल तो रहता ही है कि उसे कितना स्क्रीन स्पेस मिलेगा? क्या सारा को ऐसी कोई इंसिक्योरिटी सताती है? इस पर वह कहती हैं, श्मैं इन मामलों में कभी इनसिक्योर नहीं होती। मेरा सीधा-सा फंडा है कि आपको खुद पर यकीन होना चाहिए और अपने निर्देशक पर भी। आपको ये विश्वास होना चाहिए कि आप अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगी। आपको साथ ही ये भी सोचना होता है कि सब अपना-अपना काम अच्छे ढंग से करें, ताकि फिल्म को फायदा हो। एक्टर्स को ये सिक्योरिटी और विश्वास रखना जरूरी है।श् शपति पत्नी और वो दोश् से पहले मैंने शमेट्रो...श् जैसी कई कलाकारों वाली फिल्म में भी काम किया और तब भी मैं सिर्फअपने रोल के बारे में नहीं सोचा। मैं कभी ऐसा नहीं सोचती कि मुझे एक हीरोइन वाली फिल्म में ही काम करना है। जब आप खुद किसी अच्छी कहानी का किरदार बनना चाहते हैं, तब स्क्रीन टाइम, सीन्स और शॉट्स सेकंडरी हो जाते हैं।श् असल जिंदगी में मैं किसी की श्वोश् नहीं बनना चाहूंगी पति पत्नी और वो दो में श्वोश् का किरदार निभाने वाली सारा का मानना है कि वो जो चीज होती है न, वो हमेशा आपकी रीच से दूर होती है। वह हंसते हुए कहती हैं, श्शूटिंग से पहले मेरे निर्देशक मुदस्सर सर (मुदस्सर अजीज) ने मुझे समझाया था कि जब भी हमें वर्जित चीज का जिक्र करना होता है। हम कहते हैं, श्वो खानाश, वो जगहश् ये सच है कि वो टर्म फॉरबिडन चीजों के लिए ही इस्तेमाल होता है। असली जिंदगी में मैं किसी की वो नहीं हूं और न ही बनना चाहूंगी।श

काला हिरण फिल्म का पोस्टर जारी

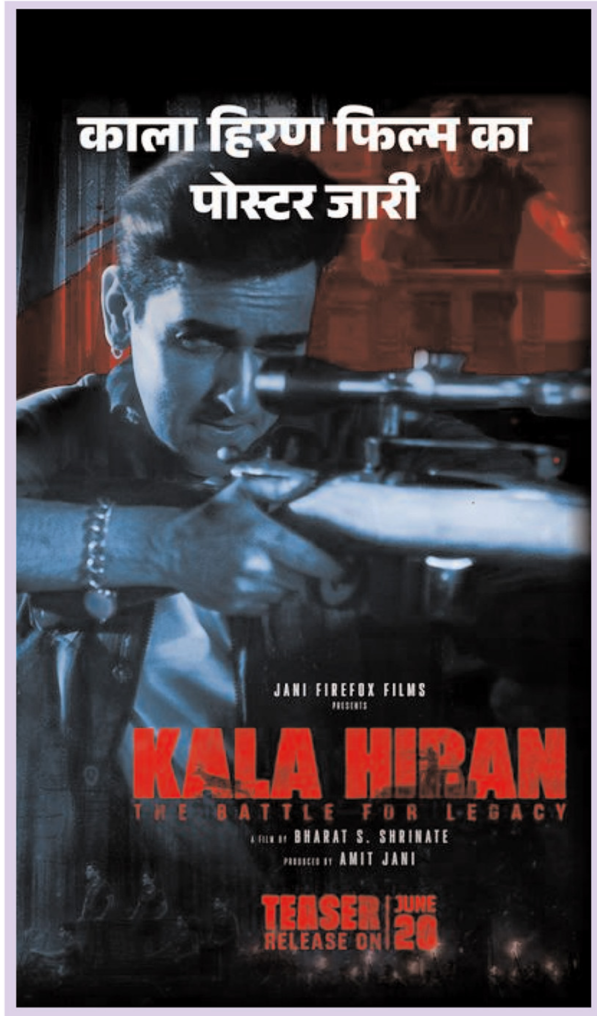

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान से जुड़ा काला हिरण शिकार मामले पर आधारित अपकमिंग फिल्म काला हिरण का पोस्टर शुक्रवार को जारी किया गया। फिल्म का फर्स्ट लुक और टीजर 20 जून को जारी किया जाएगा।फिल्म में सलमान खान और गैंगस्टर लॉरेंस के बीच के विवाद को दिखाया जाएगा। सलमान-लॉरेंस विवाद को दिखाएगी कहानीफिल्म को लेकर ए।छै से बात करते हुए फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने कहा, '1998 में जोधपुर के कांकाणी गांव में सलमान खान पर काला हिरण के शिकार का आरोप लगा था। उस मामले से जुड़े कोर्टरूम ड्रामा, क्राइम, थ्रिलर और लॉरेंस व सलमान खान के बीच की दुश्मनी को फिल्मी रूप में पेश किया गया है। फिल्म की शूटिंग संभल, मुरादाबाद और उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों में हुई है।' उन्होंने आगे कहा, 'जोधपुर में शूटिंग के दौरान मौजूद बॉलीवुड एक्टर्स सैफ अली खान, सलमान खान, तब्बू, सोनाली बेंद्रे, सतीश शाह और दूसरे लोग शामिल थे। उस समय हुए कथित काला हिरण शिकार, सलमान खान की गिरफ्तारी और सजा से जुड़े घटनाक्रम को फिल्म में दिखाया गया है। इस फिल्म के पोस्टर का लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। लोग सलमान खान, लॉरेंस और काला हिरण शिकार मामले पर आधारित एक सिनेमाई कहानी का इंतजार कर रहे थे। 20 जून को हम फिल्म का फर्स्ट लुक और टीजर जारी करेंगे।' 1998 में काला हिरण शिकार मामला सामने आया सलमान खान से जुड़ा काला हिरण शिकार मामला साल 1998 में सामने आया था, जब वो जोधपुर में फिल्म शहम साथ-साथ हैंश् की शूटिंग कर रहे थे। सलमान के खिलाफ कुल चार केस दर्ज किए गए थे। इनमें दो चिंकारा शिकार मामले, एक कांकाणी काला हिरण शिकार मामला और एक आर्म्स एक्ट का मामला शामिल था। काला हिरण शिकार मामले में बिश्नोई समुदाय की शिकायत पर सलमान के साथ सैफ अली खान, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और नीलम के खिलाफभी केस दर्ज किया गया था। इन मामलों में 12 अक्टूबर 1998 को सलमान खान को पहली बार गिरफ्तार किया गया, हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई। अप्रैल 2006 में चिंकारा शिकार मामलों में सलमान को सजा सुनाई गई। जनवरी 2017 में उन्हें आर्म्स एक्ट मामले में बरी कर दिया गया। वहीं, 5 अप्रैल 2018 को काला हिरण शिकार मामले में उन्हें 5 साल की जेल और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा मिली। इसी मामले में बाकी कलाकारों को बरी कर दिया गया था। बाद में सलमान को जमानत मिल गई। फिलहाल यह मामला राजस्थान हाई कोर्ट में लंबित है। मई 2026 में हुई सुनवाई के बाद अदालत ने अगली सुनवाई 13 जुलाई 2026 के लिए तय की है। सलमान खान फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। लॉरेंस ने सलमान पर नाराजगी जाहिर की थी गौरतलब है कि लॉरेंस बिश्नोई सार्वजनिक रूप से यह कह चुका है कि वह काला हिरण शिकार मामले को लेकर सलमान खान से नाराज है। 2023 में जेल से दिए गए एबीपी न्यूज को इंटरव्यू में उसने कहा था कि सलमान खान को मारना मेरी जिंदगी का मकसद है।वहीं, साल 2024 में सलमान के घर (गैलेक्सी अपार्टमेंट) के बाहर फायरिंग हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई के विदेश में बैठे भाई अनमोल बिश्नोई ने ली थी। सलमान खान से जुड़ी यह खबर भी पढ़ें3 सलमान के घर फायरिंग केसयबॉडीगार्ड बोले-एक्टर को मारना चाहते थेरू2024 में बाइक सवार आरोपियों ने गैलेक्सी अपार्टमेंट पर गोलियां चलाईं थीं सलमान खान के पर्सनल बॉडीगार्ड ने 2 मई को स्पेशल कोर्ट में बताया कि अप्रैल 2024 में उनके घर के बाहर हुई फायरिंग एक्टर की हत्या की कोशिश थी।

जाह्नवी कपूर ने व्हाइट साड़ी में ढाया कहर

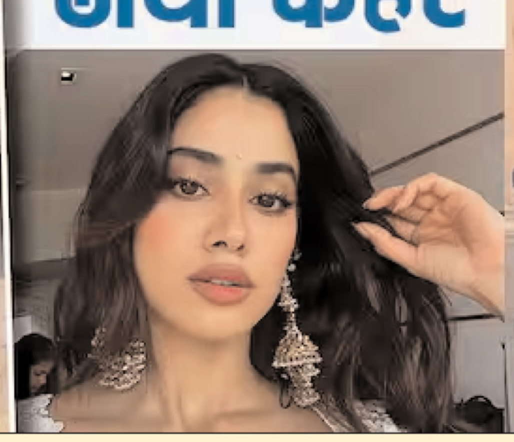

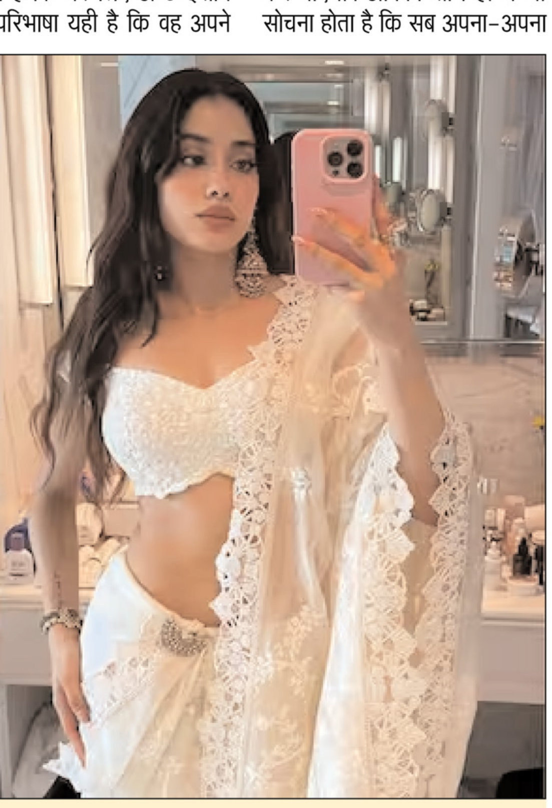

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर पिछले लंबे समय से अपनी अपकमिंग फिल्म शपेड्डीश् को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. इन दिनों वो इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं. अब इस बीच जाह्नवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो व्हाइट कलर की बेहद खूबसूरत साड़ी पहने नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. बॉलीवुड फैशन की दुनिया में जब भी साड़ी लुक में ग्लैमर की बात होती है, तो जाह्नवी कपूर का नाम सबसे पहले आता है. ट्रेडिशनल साड़ी में उनका स्टाइलिश और एलिगेंट अंदाज अक्सर सोशल मीडिया पर छाया रहता है. जाह्नवी कपूर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें वो व्हाइट कलर की साड़ी पहने नजर आ रही हैं. उनके ट्रैडिशनल लुक ने फैंस का दिल जीत लिया है. तस्वीरों में एक्ट्रेस का ट्रेडिशनल और मॉडर्न फैशन का बेहतरीन कॉम्बिनेशन देखने को मिल रहा है. उनकी साड़ी पर किया गया लेस और डिटेलिंग वर्क इसे और भी रॉयल टच दे रहा है. जाह्नवी कपूर ने इस साड़ी के साथ मैचिंग डिजाइनर ब्लाउज कैरी किया है, जिसे मॉडर्न कट में बेहद स्टाइलिश तरीके से डिजाइन किया गया है. ये ब्लाउज पूरे आउटफिट को एक ट्रेंडी और ग्लैमरस टच दे रहा है. हेयरस्टाइल की बात करें तो जाह्नवी कपूर ने अपने बालों को वेवी स्टाइल में खुला रखा है. साइड पार्टिंग के साथ नेचुरल और ग्लॉसी फिनिश ने उनके लुक को और भी ज्यादा ग्रेसफुल और एलिगेंट बना दिया है. लुक को पूरा करने के लिए जाह्नवी ने न्यूड और मिनिमल मेकअप किया है. उन्होंने स्किन टोन को नेचुरल रखते हुए हल्का बेस, सॉफ्ट ब्राउन आईशैडो, आईलाइनर और मस्कारा के साथ आईज को डिफाइन किया है. जाह्नवी कपूर ने इस लुक में न्यूड शेड की लिपस्टिक लगाई है, जो पूरे मेकअप को सॉफ्ट और नैचुरल फिनिश दे रही है. जाह्नवी कपूर ने कानों में बड़े झुमके पहने हैं, जो उनके आउटफिट के साथ खूबसूरती से बैलेंस कर रहे हैं. बाकी एक्सेसरीज को मिनिमल रखा गया है ताकि पूरा फोकस साड़ी लुक पर बना रहे. जाह्नवी कपूर की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. वो एक से बढ़कर एक पोज देती दिख रही हैं. हर फोटो में उनकी दिलकश अदाएं देखने लायक हैं.

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित

जापान ने यूरोपियन टीमों को चौंकाया

स्वीडन के खिलाफ़ अपने आखिरी लीग स्टेज स्न्नढ्ढस्न वर्ल्ड कप मैच में 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद, जापान ने न सिर्फ़ राउंड ऑफ़ 32 में अपनी जगह पक्की की, बल्कि यूरोपीय देशों के खिलाफ़ अपना शानदार प्रदर्शन भी जारी रखा। ग्रुप स्न में एक जीत और दो ड्रॉ के साथ पांच अंक हासिल करके दूसरे स्थान पर रहने वाली जापान की टीम के पास पिछले स्न्नढ्ढस्न वर्ल्ड कप में %राउंड ऑफ़ 16% तक पहुंचने के अपने रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन करने का मौका है। जापान को यूरोप की मज़बूत टीमों से कड़ी टक्कर मिलेगी, लेकिन आंकड़ों से साबित हुआ है कि वे इस खेल की बेहतरीन टीमों को टक्कर दे सकते हैं। 2021 से, जापान यूरोपीय देशों के ख़िलाफ़ लगातार 11 मैचों में अजेय रहा है (आठ जीत और तीन ड्रॉ)। %ऑप्टा एनालिस्ट% के अनुसार, यह यूरोपीय देशों के ख़िलाफ़ उनका सबसे लंबा अजेय सिलसिला है; इससे पहले 2006 से 2009 के बीच उनका सिलसिला 10 मैचों का था।हाल के समय में यूरोपीय देशों के खिलाफ जापान का प्रदर्शन शानदार रहा है, जिसमें उन्होंने पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी (दो जीत), स्पेन और इंग्लैंड को हराया है। इस टूर्नामेंट के लीग स्टेज में नीदरलैंड्स के खिलाफ भी उनका मुकाबला रोमांचक रहा और मैच 2-2 से ड्रॉ पर खत्म हुआ। मैच की बात करें तो इसके नतीजे से दोनों टीमें ग्रुप से आगे बढ़ गईं; जापान ग्रुप स्टेज में बिना कोई मैच हारे (एक जीत और दो ड्रॉ) आगे बढ़ा, जबकि स्वीडन ने भी क्वालिफिकेशन पक्का करने के लिए ज़रूरी प्रदर्शन किया। पहला हाफ काफी कड़ा मुकाबला रहा, जिसमें दोनों टीमों ने डिफेंस पर ज़्यादा ध्यान दिया और गोल करने के साफ़ मौकों को कम होने दिया। जापान के पास ज़्यादा समय तक बॉल रही और उन्होंने मिडफ़ील्ड पर काफ़ी हद तक कंट्रोल बनाए रखा, लेकिन स्वीडन का डिफेंस भी मज़बूत और व्यवस्थित रहा। पहले हाफ़ में चोट की वजह से एक झटका भी लगा; स्वीडन के डिफेंडर इसाक हियन को चोट लगने के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा, जबकि जापान को भी ब्रेक से पहले डिफेंडर को इटाकुरा को बदलना पड़ा। जापान ने बेहतर मौके बनाए—जिसमें स्वीडन के गोलकीपर जैकब विडेल ज़ेटरस्ट्रॉम द्वारा कीटो नाकामुरा के शॉट को रोकना भी शामिल था—लेकिन हाफ़-टाइम तक स्कोर 0-0 ही रहा।

भारत का परचम

भारतीय निशानेबाजों ने शुक्रवार को यहां संपन्न हुई आईएसएसएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में सात स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने पिस्टल और राइफल स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर अपने अभियान का शानदार समापन किया, लेकिन शॉटगन स्पर्धा में उसे कोई पदक नहीं मिला। भारत ने 24 पदकों (सात स्वर्ण, आठ रजत और नौ कांस्य) के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा। व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ियों ने छह स्वर्ण सहित 14 पदक जीते जबकि इटली ने छह स्वर्ण सहित 10 पदकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारत ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सेजल कांबले ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि हिमांशी ने कांस्य पदक हासिल किया। इसके बाद सेजल, वंशिका चौधरी और नव्या बिश्नोई की तिकड़ी ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियनशिप में भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद समीर ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और रोहित कन्यान ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया। प्राची गायकवाड़ ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन स्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि भारत ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन टीम स्पर्धा और पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किए। भारत का पदक जीतने का सिलसिला इसके बाद भी जारी रहा। अन्वी राठौड़ ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जिसके बाद प्रीतम केंद्रे ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत ने पुरुषों और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में शिव नरवाल ने रजत पदक और युग प्रताप सिंह राठौर ने कांस्य पदक जीतकर देश को दोहरी सफलता दिलाई। इसके बाद नरवाल ने संदीप बिश्नोई और चिराग शर्मा के साथ मिलकर पुरुषों की टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया और फिर वंशिका चौधरी के साथ जोड़ी बनाकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम प्रतियोगिता में एक और रजत पदक जीता।

भारत की टेबल टेनिस स्टार मनिका क्यों उतरीं बगावत पर? एशियन गेम्स चयन विवाद का पूरा मामला समझिए

नई दिल्ली। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने एशियन गेम्स चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए ञ्जञ्जस्नढ्ढ पर अपने संविधान के उल्लंघन का आरोप लगाया है। हालांकि उन्होंने कहा कि वह इस लड़ाई से मानसिक रूप से थक चुकी हैं। दूसरी ओर, महासंघ ने चयन प्रक्रिया को पूरी तरह नियमों के अनुरूप बताया है। भारत की सबसे सफल महिला टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शामिल मनिका बत्रा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनका खेल नहीं, बल्कि एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम के चयन को लेकर टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (ञ्जञ्जस्नढ्ढ) पर लगाए गए गंभीर आरोप हैं। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में मनिका ने दावा किया कि फेडरेशन ने अपने ही संविधान का पालन नहीं किया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वह इस लड़ाई से मानसिक रूप से थक चुकी हैं और अब इस विवाद को आगे नहीं बढ़ाना चाहतीं। दूसरी ओर, टीटीएफआई ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पूरी चयन प्रक्रिया निर्धारित नियमों और चयन नीति के अनुसार ही पूरी की गई है। क्या है पूरा मामला? टीटीएफआई ने हाल ही में 19 सितंबर से चार अक्तूबर तक जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स के लिए 10 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की। इसमें मनिका बत्रा को मुख्य टीम में जगह नहीं मिली और उन्हें रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया। महिला टीम की अगुआई भारत की शीर्ष वरीय खिलाड़ी श्रीजा अकुला करेंगी। टीम में यशस्विनी घोरपड़े, दिया चिताले, सुतीर्था मुखर्जी और सिंड्रेला दास को भी जगह मिली, जबकि मनिका बत्रा और स्वस्तिका घोष को रिजर्व सूची में रखा गया। यहीं से विवाद शुरू हुआ। मनिका ने किस नियम के उल्लंघन का आरोप लगाया? मनिका बत्रा का कहना है कि उन्हें फेडरेशन की ओर से बताया गया कि पूरी चयन प्रक्रिया नियमों के अनुरूप हुई, लेकिन उनके पास मौजूद दस्तावेज कुछ और कहानी बताते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एशियन गेम्स टीम का चयन नौ सदस्यीय चयन समिति ने किया, जबकि टीटीएफआई के संविधान के अनुच्छेद 24(ष्ट)(द्व) के अनुसार किसी भी उपसमिति में सात से अधिक सदस्य नहीं हो सकते। मनिका ने अपने बयान में कहा, %मेरी किस्मत का फैसला नौ सदस्यीय समिति ने किया, लेकिन मुझे बताया जा रहा है कि पूरी प्रक्रिया संविधान और नियमों के अनुसार हुई।% उन्होंने कहा कि अब वह इस मामले का फैसला जनता पर छोड़ती हैं, खासकर उन लोगों पर जो हमेशा कहते हैं कि नियम सभी पर समान रूप से लागू होने चाहिए। मैं मानसिक रूप से थक चुकी हूं लगातार चल रहे विवाद के बीच मनिका ने संकेत दिए कि फिलहाल वह इस लड़ाई को आगे नहीं बढ़ाना चाहतीं। उन्होंने कहा, %मैं इस लड़ाई से मानसिक रूप से थक चुकी हूं और फिलहाल मैं अपनी तलवार नीचे रख रही हूं।% उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस समय उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी देश का प्रतिनिधित्व करना है। मनिका ने कहा, %इस समय मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी भारत का प्रतिनिधित्व करना है। मैं फिलहाल अमेरिका में एक टूर्नामेंट खेल रही हूं

नॉकआउट की जंग हुई दिलचस्प!

न्यूयॉर्क। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप चरण का रोमांच चरम पर पहुंच गया है। शुक्रवार को ग्रुप त, ॥ और द्व के अंतिम मुकाबले खेले जाएंगे। फ्रांस-नॉर्वे की टक्कर में ग्रुप विजेता का फैसला होगा, जबकि स्पेन, उरुग्वे, बेल्जियम, मिस्र, ईरान, केप वर्डे और सऊदी अरब जैसी टीमें नॉकआउट में जगह पक्की करने के लिए मैदान में उतरेंगी। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप चरण का रोमांच अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। शुक्रवार (26 जून) को ग्रुप जी, एच और आई के आखिरी मुकाबले खेले जाएंगे, जहां कई टीमों की किस्मत का फैसला होगा। इन तीनों ग्रुपों की 12 टीमों में से अभी 10 टीमों की नॉकआउट में जगह पूरी तरह तय नहीं हुई है। ऐसे में हर मुकाबला बेहद अहम होने वाला है। दिन का सबसे चर्चित मुकाबला फ्रांस और नॉर्वे के बीच होगा। दोनों टीमें पहले ही राउंड ऑफ 32 में पहुंच चुकी हैं, लेकिन ग्रुप द्व में शीर्ष स्थान का फैसला इसी मैच से होगा। दूसरी ओर स्पेन, उरुग्वे, मिस्र, ईरान, बेल्जियम, न्यूजीलैंड, केप वर्डे और सऊदी अरब जैसी टीमों के सामने नॉकआउट में पहुंचने की चुनौती होगी। एमबाप्पे बनाम हालंद पर रहेंगी दुनिया की नजरें बोस्टन में होने वाला फ्रांस और नॉर्वे का मुकाबला मैच डे-16 का सबसे बड़ा आकर्षण माना जा रहा है। विश्व फुटबॉल के दो सबसे खतरनाक स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे और एरलिंग हालंद आमने-सामने होंगे। दोनों खिलाड़ी अब तक चार-चार गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में भी शामिल हैं। फ्रांस ने अपने पहले दो मुकाबलों में सेनेगल को 3-1 और इराक को 3-0 से हराया है, जबकि नॉर्वे ने इराक को 4-1 और सेनेगल को 3-2 से मात दी। दोनों के छह-छह अंक हैं। फ्रांस को ग्रुप में शीर्ष स्थान बनाए रखने के लिए सिर्फ एक ड्रॉ की जरूरत है, जबकि नॉर्वे को पहला स्थान हासिल करने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। सेनेगल और इराक के लिए आखिरी मौका ग्रुप आई के दूसरे मुकाबले में सेनेगल और इराक आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें शुरुआती दो मैच हार चुकी हैं और उनके खाते में एक भी अंक नहीं है। अब दोनों की उम्मीदें केवल तीसरे स्थान पर रहते हुए सर्वश्रेष्ठ आठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होने पर टिकी हैं। इसके लिए सिर्फ जीत ही काफी नहीं होगी, बल्कि बेहतर गोल अंतर और अन्य मैचों के नतीजों पर भी नजर रखनी होगी। स्पेन और उरुग्वे के बीच ग्रुप एच का महामुकाबला ग्रुप एच में स्पेन फिलहाल चार अंकों के साथ शीर्ष पर है। स्पेन यदि उरुग्वे को हरा देता है तो ग्रुप विजेता बन जाएगा। ड्रॉ की स्थिति में भी स्पेन पहले स्थान पर रह सकता है, बशर्ते केप वर्डे सऊदी अरब को पांच या उससे अधिक गोल के अंतर से नहीं हराए। दूसरी तरफ उरुग्वे ने अपने दोनों मैच ड्रॉ खेले हैं। उसके चार अंक नहीं बल्कि दो अंक हैं और यदि वह स्पेन को हरा देता है तो ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर सकता है। केप वर्डे का सपना, सऊदी अरब की उम्मीद विश्व कप में पहली बार खेल रही केप वर्डे की टीम ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है।

क्यों पेरिस डायमंड लीग को रद्द करने की उठ रही मांग?

पेरिस। पेरिस डायमंड लीग को रद्द करने की मांग की जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि पेरिस में पड़ रही गर्मी को देखते हुए ये मांग उठ रही है। फ्रांस में पड़ रही गर्मी और लू को देखते हुए पेरिस पुलिस प्रशासन ने इस सप्ताहांत होने वाली डायमंड लीग एथलेटिक्स प्रतियोगिता को रद्द करने की मांग की है। अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि भीषण गर्मी के कारण आपातकालीन सेवाओं पर भारी दबाव है। पुलिस प्रशासन ने 21 जून से पेरिस में पर रही असाधारण गर्मी का हवाला देते हुए रविवार को होने वाली डायमंड लीग प्रतियोगिता के अलावा अन्य कार्यक्रमों को भी रद्द करने का अनुरोध किया है। कई प्रमुख एथलीट को लेना है हिस्सा प्रशासन ने स्पष्ट किया कि आयोजक अगर स्वेच्छा से कार्यक्रम रद्द नहीं करते हैं, तो उन्हें आदेश जारी कर कार्यक्रम रुकवाना पड़ेगा क्योंकि आपातकालीन सेवाओं का पूरा ध्यान बुजुर्गों, बच्चों और अन्य जरूरतमंद लोगों की सुरक्षा पर है। इस प्रतियोगिता में नोआ लाइल्स, फेम्के बोल और मोंडो डुप्लांटिस सहित विश्व के कई प्रमुख एथलीट भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता का आयोजन करने वाले फ्रांस एथलेटिक्स महासंघ ने बताया कि उसे अभी तक पुलिस का कोई आधिकारिक आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। आयोजकों ने गुरुवार को जारी बयान में कहा था, %हम बदले हुए प्रारूप में प्रतियोगिता कराने की योजना बना रहे हैं ताकि सभी के लिए सुरक्षा के जरूरी मानकों का पालन किया जा सके। इसमें प्रतियोगिता में सिर्फ शीर्ष खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति देने की योजना शामिल है।% यह पहली बार है जब फ्रांस के तीन-चौथाई से अधिक हिस्से को रेड अलर्ट के दायरे में रखा गया है।

अर्थ जगत

फॉक्सवैगन में 89 साल के सबसे बड़े बदलाव की तैयारी; एक लाख नौकरियों पर खतरा

नई दिल्ली। फॉक्सवैगन अपने 89 साल के इतिहास के सबसे बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। एक लाख नौकरियों में कटौती और चार प्लांट बंद होने की खबर है। जानें पूरी रणनीति और भारत पर इसका असर। तुरंत पढ़ें। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी फॉक्सवैगन अपने 89 साल के इतिहास के सबसे बड़े बदलाव से गुजरने की तैयारी कर रही है। %मैनेजर मैगजीन% की एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ओलिवर ब्लूम एक लाख कर्मचारियों की छंटनी और जर्मनी में चार कारखानों (प्लांट) को बंद करने की योजना बना रहे हैं। चीन की ऑटो कंपनियों से मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा, बढ़ते आयात शुल्क (टैरिफ) और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर हो रहे भारी खर्च के वित्तीय दबाव के कारण कंपनी की कमाई प्रभावित हुई है, जिससे निपटने के लिए यह सख्त कदम उठाया जा रहा है। कंपनी की इस बड़ी छंटनी और रीस्ट्रक्चरिंग का मुख्य प्लान क्या है? सीईओ ओलिवर ब्लूम और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीईओ) अर्नो एंटलिट्ज कंपनी के पूरे ढांचे को बुनियादी तौर पर बदलने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। पुनर्गठन- इस योजना के तहत मुख्य फॉक्सवैगन ब्रांड और इसके पार्ट्स के संचालन को अलग-अलग संस्थाओं (एंटीटी) के रूप में बांटा जाएगा। निवेश में कटौती- अगले पांच वर्षों में कंपनी अपने नियोजित निवेश में करीब 15त्न की कटौती करेगी, जो घटकर 130 अरब यूरो (148 अरब डॉलर) रह जाएगा। नौकरियों पर असर- वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी का कुल वैश्विक वर्कफोर्स 667,164 था, जिसमें से लगभग 43त्न कर्मचारी जर्मनी में कार्यरत हैं। नई योजना के तहत कुल कार्यबल के करीब 15त्न यानी लगभग 1 लाख नौकरियों में कटौती की जाएगी। प्लांट बंदी- मध्यम अवधि में हनोवर, ज्विकाऊ, एम्डेन और ऑडी के नेकरसुलम प्लांट में मौजूदा मॉडलों का उत्पादन खत्म होने के बाद उन्हें बंद करने का प्रस्ताव है। क्या कर्मचारी और लेबर यूनियन इस फैसले का विरोध कर रहे हैं? हां, कंपनी के इस फैसले का कड़ा विरोध शुरू हो गया है। फॉक्सवैगन वर्क्स काउंसिल और जर्मनी की शक्तिशाली लेबर यूनियन %आईजी मेटाल% ने शुक्रवार को एक संयुक्त बयान में चेतावनी दी कि यदि ऐसी योजनाएं आगे बढ़ती हैं, तो वे उन्हें रोकने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। यह विवाद इसलिए भी अहम है क्योंकि 2024 में यूनियनों के साथ हुए एक समझौते में इस दशक में जर्मनी के अंदर प्लांट बंद न करने की बात तय हुई थी

भारतीय एयरलाइन कंपनियों को 38,000 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड घाटे का अनुमान, क्या और महंगे होंगे टिकट?

मुंबई। इक्रा (ढ्ढष्टक्र) ने भारतीय एयरलाइंस के लिए चालू वित्त वर्ष में 38,000 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड घाटे का अनुमान जताया है। महंगे ईंधन और कमजोर रुपये से एविएशन सेक्टर पर पड़ रहे इस भारी प्रभाव को समझने के लिए पूरी रिपोर्ट पढ़ें। भारत का विमानन क्षेत्र इन दिनों भारी आर्थिक दबाव और अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। रेटिंग एजेंसी इक्रा (आईसीआरए) ने चालू वित्त वर्ष (स्न्नङ्क2027) के लिए घरेलू एयरलाइंस के शुद्ध घाटे का अनुमान बढ़ाकर 36,000 से 38,000 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर कर दिया है। डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी, महंगे जेट ईंधन (एटीएफ) और पश्चिम एशियाई संकट ने इस उद्योग की वित्तीय स्थिति को बुरी तरह प्रभावित किया है। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि एविएशन सेक्टर इतने भारी घाटे में क्यों जा रहा है और इसका भविष्य पर क्या असर होगा। एयरलाइंस के घाटे में इतनी बड़ी बढ़ोतरी की वजह क्या है? आईसीआरए के अनुसार, पहले यह अनुमान था कि बेहतर यात्री यातायात के दम पर स्न्नङ्क2027 में एयरलाइंस का घाटा सिमटकर 11,000-12,000 करोड़ रुपये रह जाएगा, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। इतने बड़े घाटे के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं- रुपये में गिरावट- अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के कमजोर होने से एयरलाइंस को भारी विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) नुकसान उठाना पड़ रहा है। लीज रेंटल का बढ़ता बोझ- एयरलाइंस को नए विमानों की डिलीवरी लगातार मिल रही है, जिससे उनके पट्टे (लीज) का किराया भी काफी बढ़ गया है। लागत और किराये का असंतुलन- कंपनियों की परिचालन लागत तेजी से बढ़ी है, लेकिन वे पूरी तरह से इस भारी भरकम खर्च का बोझ किराए में बढ़ोतरी के जरिए यात्रियों पर नहीं डाल सकतीं। इससे पहले, पिछले वित्त वर्ष में भी भारतीय एविएशन इंडस्ट्री का कुल घाटा अनुमानित 17,000-18,000 करोड़ रुपये से कहीं अधिक 32,000-34,000 करोड़ रुपये रहा था। पश्चिम एशियाई संकट से हवाई यातायात पर क्या असर पड़ा? फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए पश्चिम एशियाई संकट ने एविएशन सेक्टर की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। इस विवाद के चलते कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं, जिसका सीधा असर एयरलाइंस की लागत और किरायों पर पड़ा है। किराए बढ़ने और बढ़ती महंगाई के कारण लोगों ने गैर-जरूरी खर्चों में कटौती की है, जिससे हवाई सफर करने वालों की संख्या पर भी नकारात्मक असर दिख रहा है। यात्री यातायात (पैसेंजर ट्रैफिक) को लेकर क्या है नया अनुमान? हवाई सफर करने वालों की घटती संख्या को देखते हुए रेटिंग एजेंसी ने अपने ट्रैफिक ग्रोथ अनुमानों में बड़ी कटौती की है- घरेलू ट्रैफिक- चालू वित्त वर्ष में घरेलू यात्रियों की वृद्धि दर का अनुमान 6-8 प्रतिशत से घटाकर 3-6 प्रतिशत कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिक- पश्चिम एशियाई विवाद के कारण अप्रैल 2026 में भारतीय एयरलाइंस के अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात में सालाना आधार पर 39 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। इसके चलते चालू वित्त वर्ष के लिए इसके ग्रोथ अनुमान को भी 8-10 प्रतिशत से घटाकर मात्र 0-3 प्रतिशत कर दिया गया है। हालांकि, मई 2026 में %फेवरेबल बेस% के कारण घरेलू ट्रैफिक में 11.3त्न की बढ़ोतरी हुई और यह 1.56 करोड़ रहा। पिछले साल इसी महीने में पहलगाम हमले और भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के कारण यात्री मांग बुरी तरह प्रभावित हुई थी।

महिलाओं, मिलेनियल्स और जेन जी के बीच हीरों के आभूषण की मांग, जानिए इस बारे में

मुंबई । भारत में नेचुरल डायमंड यानी प्राकृतिक हीरो के आभूषणों का बाजार में मजबूत वृद्धि हो रही है और भारत अमेरिका के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा हीरा आभूषण का बाजार बन गया है। भारत में नेचुरल डायमंड यानी प्राकृतिक हीरो के आभूषणों का बाजार में मजबूत वृद्धि हो रही है और भारत अमेरिका के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा हीरा आभूषण का बाजार बन गया है। भारत में हीरा आभूषण की मांग सालाना आधार पर 12 प्रतिशत देखने को मिल रही है, जो कि 2019 में 10 प्रतिशत थी। हीरो के आभूषणों की मांग विशेषकर महिलाओं और युवा वर्ग में देखी जा रही है। अनुमान है कि यह बाजार 2030 तक 12 प्रतिशत की मजबूत सीएजीआर से बढ़कर 1,520 बिलियन रुपये तक पहुंच जाएगा। महिलाओं, मिलेनियल्स और जेन जेड में हीरों के आभूषण मांग बढ़ी डी बीयर्स इंडिया की कंट्री हेड कैटेगरी मार्केटिंग तोरंज मेहता ने अमर उजाला डॉटकॉम से बातचीत में बताया, पिछले कुछ वर्षों में भारतीय बाजारों में हीरों के आभूषणों की मांग बढ़ी है, और भारत ने अमेरिका, चीन और जापान जैसे देशों को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक हीरे के आभूषणों की मांग 12 प्रतिशत का योगदान दे रहा है।उनका कहना है कि भारतीय महिलाओं में नेचुरल डायमंड के आभूषण की मांग बढ़ी है। 100 महिलाओं में 15 प्रतिशत हीरे के आभूषणों की खरीदारी करती हैं। जबकि अमेरिका में 100 में 70 प्रतिशत लोग हीरों के आभूषण की खरीदारी करते हैं। हमारा मानना है, पिछले कुछ वर्षों में भारत में हीरों के प्रति आकर्षण बढ़ा है। जिसमें महिलाओं के साथ युवा उपभोक्ताओं और इनमें भी मिलेनियल्स और जेन जेड अब भारत के नेचुरल हीरा बाजार मूल्य का 86 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। भारतीय बाजार में बड़ी संभावना हम इन्ही संभावनाओं को देखते हुए भारतीय बाजार में फोकस कर रहे हैं। जिसके लिए हमने बड़े ब्रांड के साथ करार कर भारत में हीरे के आभूषणों की बिक्री को बढ़ावा दिया है। दूसरा हम जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के साथ मिलकर भारतीय बाजार में छोटे ज्वेलर्स तक पहुंच बना रहे है। जिसमें उनका हीरे के आभूषणों की बिक्री बढ़ाने के साथ ही हीरे के आभूषणों को बनाने, नई तनकनीकों से जोड़ने का काम कर रहे हैं। डीबीयर्स इंडिया डायमंड की एक रिपोर्ट बताती है कि, यह युवा वर्ग हीरों को व्यक्तिव, प्रमाणिकता और भावनात्मक रूप से देखता हैं और उपभोक्ता प्रति हीरा औसतन 198,000 रुपये खर्च करते हैं। रिपोर्ट का अनुमान है कि यह बाजार 2030 तक 12 प्रतिशत की मजबूत सीएजीआर से बढ़कर 1,520 बिलियन रुपये तक पहुंच जाएगा। ब्रांडेड आभूषण विक्रेताओं की हीरों की कैटेगरी ने किया अच्छा प्रदर्शन हाल ही में कई ब्रांडेड आभूषण विक्रेताओं ने अपनी अक्षय तृतिया की बिक्री में हीरों के आभूषणों की कैटेगरी में अच्छी वृद्धि देखी। पीनए गाडगिल ने बताया कि था उसने हीरे के सेगमेंट में साल दर साल 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं मालाबार गोल्ड एंड डायमंड ने अक्षय तृतिया 2026 में बिक्री में उछाल देखा है। जिसमें जड़े हुए आभूषण में 45 प्रतिशत की वृद्धि रही। सोने की बढ़ती कीमतों ने भी बढ़ाई फैशनेबल हल्के हीरों के आभूषणों की मांग मुंबई के शृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, चेतन थडेश्वर बताते हैं, पिछले दो वर्षों में सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी ने अलग-अलग कस्टमर सेगमेंट में ज्वेलरी खरीदने के तरीके पर बहुत असर डाला है। हालांकि सोने का पारंपरिक महत्व बना हुआ है, लेकिन उपभोक्ता अब बजट पर अधिक ध्यान दे रहे हैं

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।